सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

अनुशासन कठिन जरूर लगता है,
पर आदत बन जाए तो सफलता की गारंटी देता है।!!
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–45 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शुक्रवार 06 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

बिहार की सियासत में 'डील' की चर्चा : सत्ता हस्तांतरण, भाजपा का मुख्यमंत्री और निशांत की संभावित एंट्री

संदीप सिंह / पटना

बिहार की राजनीति में इन दिनों एक नई सियासी पटकथा लिखी जा रही है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा की ओर बढ़े नीतीश कुमार के फैसले के बाद सत्ता के गलियारों में भाजपा और जदयू के बीच एक बड़ी राजनीतिक 'डील' की चर्चा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में सत्ता का संतुलित हस्तांतरण, नई पीढ़ी का उदय और गठबंधन की नई रणनीति छिपी हुई है।

सूत्रों के अनुसार इस कथित समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि बिहार में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का अपना मुख्यमंत्री बनाने का रास्ता साफ किया गया है। पिछले कई वर्षों से भाजपा जदयू के साथ गठबंधन में सत्ता में तो रही, लेकिन मुख्यमंत्री पद हमेशा जदयू के पास ही रहा। 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के अधिक सीटें जीतने के बाद से ही यह चर्चा चल रही थी कि पार्टी अब राज्य की राजनीति में 'बड़े भाई' की भूमिका निभाना चाहती है। ऐसे में नीतीश कुमार का इस्तीफा भाजपा के लिए उस राजनीतिक लक्ष्य की दिशा में निर्णायक कदम माना जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की संभावित राजनीतिक एंट्री को लेकर है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि यह समझौता केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि जदयू के भविष्य की राजनीति भी इसी के साथ तय की जा रही है। माना जा रहा है कि निशांत कुमार को जल्द ही सक्रिय राजनीति में लाया जा सकता है। उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाने या जदयू की संगठनात्मक कमान सौंपने जैसे विकल्पों पर भी चर्चा बताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो यह जदयू के नेतृत्व में पीढ़ीगत बदलाव की शुरुआत होगी।

बिहार की सियासत में तेजस्वी का बड़ा बयान: 'ओबीसी नेतृत्व को खत्म करने की भाजपा की रणनीति'

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। भारतीय जनता पार्टी के कथित ब्रह्मिशन्द्र के तहत नीतीश कुमार को सत्ता से बेदखल करने की चर्चाओं के बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह ओबीसी नेतृत्व को कमजोर करने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा पहले अपने सहयोगी दलों को ही कमजोर करने का काम करती है और बाद में उन्हें राजनीतिक रूप से हाशिये पर धकेल देती है। उन्होंने कई राज्यों के उदाहरण देते हुए कहा कि मेहबूबा मुफ्ती की पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, महाराष्ट्र में शिवसेना और तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ भी इसी तरह की राजनीतिक परिस्थितियां पैदा हुईं। अब बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) को निशाने पर लिया जा रहा है।

ओबीसी और दलित नेतृत्व का मुद्दा : तेजस्वी यादव ने अपने बयान में कहा कि भाजपा देशभर में ओबीसी और दलित नेतृत्व को एक-एक कर कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में भी यही प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी नीतीश कुमार के प्रति राजनीतिक हमदर्दी रखती है और यदि पिछड़े वर्ग के नेतृत्व को बचाने की जरूरत पड़ी, तो वे पीछे नहीं हटेंगे।

जदयू के भीतर संदेश : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेजस्वी यादव का यह बयान सीधे तौर पर जदयू के उस धड़े को संदेश देने की कोशिश है, जो भाजपा की कथित दलित-पिछड़ा विरोधी राजनीति को लेकर असहज माना जाता है। हालांकि किसी भी राजनीतिक समीकरण के बदलने की संभावना पूरी तरह बिहार विधानसभा के अंकगणित पर निर्भर करती है। मौजूदा परिस्थितियों में यह गणित काफी चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

सियासी तालाब में कंकर : फिलहाल तेजस्वी यादव के बयान ने बिहार की राजनीति में नई बहस जरूर छेड़ दी है। इसे जदयू के राजनीतिक तालाब में फेंके गए उस कंकर की तरह देखा जा रहा है, जिसकी तरंगें आगे चलकर बड़े राजनीतिक प्रभाव का कारण बन सकती हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जदयू और भाजपा के भीतर इस बयान का क्या असर पड़ता है और बिहार की राजनीति किस नई दिशा में आगे बढ़ती है।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने को भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। उन्होंने स्वयं कई बार यह इच्छा जताई थी कि वे देश की राजनीति के सभी प्रमुख सदनों—विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा—का सदस्य बनने का एक अनोखा राजनीतिक रिकॉर्ड पूरा करना चाहते हैं। 5 मार्च 2026 को राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के साथ ही यह सपना लगभग पूरा होने की दिशा में बढ़ता दिखाई दे रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इसे उनकी सक्रिय राज्य राजनीति से ह्रासम्मानजनक विदाईह्न के रूप में भी देख रहे हैं।

इस फैसले के पीछे स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की भी चर्चा है। 75 वर्षीय नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में भाजपा नेतृत्व ने उन्हें केंद्र की राजनीति में मार्गदर्शक की भूमिका निभाने और बिहार की सत्ता नई पीढ़ी को सौंपने के लिए सहमत किया—ऐसी बातें राजनीतिक हलकों में कही जा रही हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच जदयू के भविष्य को लेकर भी कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले समय में जदयू और भाजपा के रिश्ते और मजबूत हो सकते हैं। यहां तक कि यह भी चर्चा है कि भविष्य में जदयू का भाजपा में विलय या दोनों दलों के बीच और गहरा राजनीतिक तालमेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि इन सभी चर्चाओं के बीच नीतीश कुमार ने सार्वजनिक तौर पर इतना ही कहा है कि नई सरकार को उनका पूरा सहयोग और मार्गदर्शन मिलता रहेगा। लेकिन बिहार की राजनीति को करीब से देखने वाले जानते हैं कि यह घटनाक्रम केवल एक इस्तीफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राज्य की सत्ता, नेतृत्व और गठबंधन राजनीति में एक बड़े परिवर्तन का संकेत भी हो सकता है। आने वाले दिनों में यह साफ हो जाएगा कि यह 'डील' केवल चर्चा भर थी या वास्तव में बिहार की राजनीति का नया अध्याय लिखने वाली रणनीति।

महंगाई के दौर में विधायक रिकेश की 'संजीदा' पहल

वैशाली नगर की हर बेटी दिखेगी 'क्लासी' और 'ट्रेंडी', मात्र 1 रूपये में होगा ब्राइडल मेकओवर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वर्तमान दौर में शादी सिर्फ दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि एक भव्य उत्सव बन चुका है। इस उत्सव में एक मध्यम वर्गीय परिवार के लिए सबसे बड़ा खर्च 'ब्राइडल ब्यूटी पैकेज' बन गया है। बेटियों के इसी अरमान को पंख देने के लिए वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च से एक क्रांतिकारी योजना की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि जब मैंने देखा कि एक पिता अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज लेता है और उसमें एक बड़ा हिस्सा ब्यूटी पार्लर के बिल में चला जाता है, तब मैंने यह निर्णय लिया। अब विधानसभा क्षेत्र की कोई भी बेटी आर्थिक तंगी के कारण अपने विवाह के दिन फीकी नहीं दिखेगी। मात्र 1 रुपये के टोकन शुल्क पर उन्हें शहर की टॉप प्रोफेशनल ब्यूटिशियंस 'सेलिब्रिटी स्टाइल' लुक देंगी।

क्यों है आज के दौर में ब्राइडल मेकअप की जरूरत?

आज सोशल मीडिया और हाई-डेफिनेशन फोटोग्राफी के दौर में हर दुल्हन की इच्छा होती है कि वह अपनी जिंदगी के सबसे यादगार दिन पर 'परफेक्ट' दिखे। सही मेकअप और खूबसूरती दुल्हन के आत्मविश्वास को बढ़ाती है। विवाह की तस्वीरें जीवन भर साथ रहती हैं, ऐसे में प्रोफेशनल टच उन यादों को और भी खूबसूरत बना देता है। विधायक रिकेश सेन ने बताया कि आजकल एचडी मेकअप, एयरब्रश तकनीक और कंटूरिंग जैसे ट्रेंडी लुक्स की मांग बढ़ी है, जो साधारण श्रृंगार से संभव नहीं है। एक सामान्य परिवार के लिए ब्राइडल पैकेज आज बजट से बाहर होता जा रहा है।

बाजार में एक अच्छे प्रोफेशनल मेकअप का खर्च 10 से 50 हजार तक होता है। बारीक और डिजाइनर मेहंदी लगवाने का खर्च 3 से 10 हजार के बीच आता है। फेशियल, हेयर स्टाइलिंग और ड्रेपिंग मिलाकर कुल खर्च 70 हजार तक पहुंच जाता है। श्री सेन ने कहा कि वैशाली नगर विधानसभा की हर बहनों को 'ट्रेंडी' और 'ग्लैमरस' लुक देना अब मेरी जिम्मेदारी है, वो भी बिना उनके पिता की जेब पर बोझ डाले।

इस मुहिम से शहर की नामचीन ब्यूटिशियंस जुड़ी हैं, जो लेटेस्ट ट्रेंड्स (जैसे न्यूड मेकअप, ग्लैम लुक, और राजस्थानी मेहंदी) में माहिर हैं। 8 मार्च से विधायक कार्यालय जीरो रोड शांति नगर में 'ब्राइडल हेल्पलाइन' शुरू होगी, जहाँ शादी कार्ड और आधार कार्ड दिखा कर मात्र 1 रूपये में विवाह से 15 दिन पूर्व स्लॉट बुक किया जा सकेगा। विधायक सेन ने स्पष्ट किया है कि शुल्क मात्र 1 रूपये है, लेकिन प्रोडक्ट्स और सर्विस की क्वालिटी 'प्रीमियम' होगी।

राजधानी रायपुर में 5 घंटे में 3 मर्डर, बिलासपुर में दुबके रहे बदमाश

होली में पुलिस सतर्कता काम आई, इस बार होली अपेक्षाकृत शांत रही

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-बिलासपुर

राजधानी रायपुर ग्रामीण में होली के दिन महज पांच घंटे के भीतर तीन हत्या की घटनाओं ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए, वहीं न्यायधानी बिलासपुर में पुलिस की सख्त रणनीति, चौक-चौराहों पर भारी पुलिस बल की तैनाती और लगातार पेट्रोलिंग के कारण असामाजिक तत्व पूरे दिन दुबके रहे। पुलिस की मुस्तैदी और लोगों के सहयोग से इस बार शहर में होली का त्योहार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

होली पर्व के दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देशन में पुलिस अधिकारी और जवान सुबह से ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर तैनात रहे। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण असामाजिक तत्व और बदमाश पूरे दिन अपने ठिकानों में ही दुबके रहे। इक्का-दुक्का घटनाओं को छोड़ दें तो पूरे जिले में होली का त्योहार शांति और उत्साह के माहौल में मनाया गया।

होली के दिन सुबह से ही शहर में रंगों और उमंग का माहौल दिखाई दिया। लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर त्योहार की बधाई देते रहे। शहर के मोहल्लों और कॉलोनियों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में होली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

त्योहार को देखते हुए पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही लगातार पेट्रोलिंग भी की जाती रही और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए रिजर्व टीम को भी तैयार रखा गया था। पुलिस की सक्रियता के कारण शहर में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगाम लगी रही।

जिले के सबसे बड़े थाना क्षेत्रों सरकंडा और सिविल लाइन में भी पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय रहीं। मामूली घटनाओं को छोड़कर पूरा शहर होली की खुशियों में सराबोर रहा और लोगों ने उत्साह के साथ एक-दूसरे को रंग लगाकर त्योहार की शुभकामनाएं दीं।

एसएसपी ने संभाली कमान, 72 घंटे तक चलती रही निगरानी

होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए बिलासपुर पुलिस ने इस बार विशेष रणनीति अपनाई थी। एसएसपी रजनेश सिंह खुद मैदान में उतरकर होली बंदोबस्त ड्यूटी की कमान संभाले रहे और पुलिस अधिकारियों व जवानों के साथ लगातार निगरानी करते नजर आए।

लगातार करीब 72 घंटे तक पुलिस टीमों ने शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सघन निगरानी रखी। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार पेट्रोलिंग की जाती रही और ड्यूटी पर तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका हौसला भी बढ़ाया गया। इसी दौरान एसएसपी ने लगातार ड्यूटी कर रहे पुलिस जवानों से हाथ मिलाकर उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की और उन्हें सतकर्ता के साथ ड्यूटी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पुलिस की कड़ी निगरानी और सजगता का ही परिणाम रहा कि बिलासपुर में होली का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ और कहीं भी किसी प्रकार की बड़ी अप्रिय घटना सामने नहीं आई। पुलिस प्रशासन की इस सक्रियता को शहरवासियों ने भी सराहा और इस बार की होली शांति और सौहार्द की मिसाल बनकर सामने आई।

एसएसपी ने खुद संभाली कमान, अधिकारी भी रहे सक्रिय

सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए एसएसपी रजनेश सिंह खुद मैदान में मौजूद रहे। एएसपी पंकज पटेल, एएसपी मधुलिका सिंह, एएसपी रामगोपाल करियारे, सीएसपी निमितेष सिंह और सीएसपी गगन कुमार (आईपीएस) दिनभर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करते रहे। अधिकारियों ने पुलिस टीमों को लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा, पिछले वर्ष की तुलना में बहुत कम छिटपुट विवाद हुए हैं और कोई भी गंभीर घटना नहीं हुई है। पुलिस ने अपनी रणनीति के तहत असामाजिक तत्वों पर नजर रखी और जो लोग अपराध से तौबा नहीं कर पा रहे थे, उन्हें गिरफ्तार कर सख्त कारवाई की गई। शहर और देहात के सभी चौक-चौराहों और महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था, जिससे सभी लोग विशेषकर महिलाएं और बच्चे सुरक्षित और निर्भीक होकर त्योहार का आनंद ले सके। यह सब बिलासपुरवासियों के विश्वास और सहयोग से संभव हो सका, यही सामुदायिक पुलिसिंग है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा, नशे को कहें ना और जीवन को कहें हां। युवा ही देश का भविष्य हैं। अपराध से दूर रहें और स्वस्थ रहें।

समारोह

मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई की दीर्घकालीक विकास में नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका

नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रुप में गणेश शंकर मिश्रा ने संभाला पदभार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर स्थित नीति भवन में छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य नीति आयोग प्रदेश के दीर्घकालिक विकास विजन, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विकास को नई दिशा और गति देने वाला एक महत्वपूर्ण संस्थान है। उन्होंने कहा कि भविष्य की जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विकास की योजनाएँ और रणनीतियाँ तैयार करने में आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में भी छत्तीसगढ़ विजन डॉक्युमेंट 2047 तैयार किया गया है, जिससे प्रदेश के समग्र और दीर्घकालिक विकास की रूपरेखा तय की जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग के गठन का निर्णय दूरदर्शी सोच का परिणाम था। आज नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिलों का कार्यक्रम देश के पिछड़े क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में भी देखने को मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नीति आयोग की विशेषता यह है कि यह क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नीति और योजना निर्माण को बढ़ावा देता है। इसी सोच के साथ राज्यों में भी राज्य नीति आयोग का गठन किया गया है, जो विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ प्रदेश में विकास को नई गति देने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गणेश शंकर मिश्रा के प्रशासनिक अनुभव से राज्य नीति आयोग को नई दिशा और गति मिलेगी। आयोग की ओर से प्राप्त अच्छे सुझावों को राज्य सरकार गंभीरता से लेकर प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रयास करेगी।

राज्य नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर और भविष्योन्मुखी नीतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ को अधिक समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में सभी के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक सुश्री लता उसेंडी, विधायक अमर अग्रवाल, महापौर धमतरी रामू रोहरा, राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रह्मण्यम, सदस्य सचिव आशीष भटू, सचिव भुवनेश यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

संकल्प बजट प्रदेश के समावेशी विकास का आधार - विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने निवास कार्यालय में अपने सहयोगी कमर्चारियों और क्षेत्र की जनता के साथ पूरे उत्साह और उमंग के साथ होली का पर्व मनाया। पारंपरिक फाग गीतों और हर्षोल्लास के वातावरण में रंग और उल्लास से सराबोर इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं।

क्षेत्र की जनता विधायक ललित चंद्राकर को गुलाल लगाकर उन्हें बधाई दी, वहीं विधायक ललित चंद्राकर ने भी आत्मीयता के साथ सभी को गुलाल लगाकर रंगोत्सव की शुभकामनाएँ दीं और स्नेह, विश्वास तथा आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह पर्व समाज में एकता, भाईचारे और सकारात्मकता की भावना को सुदृढ़ करता है तथा जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के पर्व हमें आपसी मतभेद भुलाकर मिल-जुलकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि आज निवास में आयोजित होली मिलन समारोह में सभी से आत्मीय भेंट कर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, साथियों और क्षेत्र वासियों के साथ स्नेह, विश्वास और अपनत्व के रंग साझा करना इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों का स्नेह और आशीर्वाद ही जनसेवा के उनके संकल्प को और अधिक सशक्त बनाता है।

विधायक ने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सभी को होली की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि रंगों का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करे तथा हमारा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करता रहे।

खास खबर

बुधवार को मुर्गा चौक के पास मृत मिले युवक की नहीं हो सकी पहचान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बुधवार रात को सेक्टर-1 स्थित मुर्गा चौक के पास फ्लाइओवर के नीचे मृत अवस्था में मिले युवक की आज तिसरे दिन भी शिनाख्त नहीं हो सकी। बुधवार को रात करीब 8 बजे राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने फ्लाईओवर से नीचे गिरने से मौत की आशंका जताई है। घटना भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक मृतक अज्ञात पुरूष की उम्र करीबन 30 वर्ष होगी। जिसका हुलिया चेहरा गोल, रंग गेहुंआ, बाल लंबा काला, सफेद रंग का हल्का चेकदार हाफ शर्ट, नीले रंग का फटा डिजाईन वाला जींस, सफेद रंग का स्पोर्ट्स जूता, चाकलेटी रंग का बेल्ट पहना है। दाहिने हाथ की कलाई में गोदना से त्रिशूल बना हुआ है। मृतक के शर्ट के जेब में मोनो लगा है जिसमें नीले रंग से अंग्रेजी में क्रिएशन बाय इंस्कल्ट 69 20 इंडस्ट्री 19 लिखा हुआ है। बांये हाथ में काले रंग का घड़ी पहना है। मृतक के शव को शासकीय अस्पताल सुपेला के मर्चुरी में रखवाया गया है। जानकारी के मुताबिक राहगीरों ने बुधवार को रात 8 बजे के आसपास मुर्गा चौक फ्लाईओवर के नीचे युवक को पड़ा देखा। पास जाकर देखने पर वह मृत मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची।आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन युवक की पहचान नहीं हो सकी। उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। घटनास्थल का निरीक्षण एफएसएल टीम ने किया। टीम ने मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाए और आसपास के हालात की बारीकी से जांच की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत फ्लाईओवर से गिरने के कारण हुई हो सकती है। यह हादसा हो सकता है या आत्महत्या की आशंका भी जताई जा रही है। फिलहाल हर पहलू से जांच जारी है।

भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला फ्लाईओवर से गिरने का प्रतीत होता है। मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए सुपेला अस्पताल भेजा गया है। भिलाई भट्ठी थाना में मर्ग कायम कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। युवक की पहचान के प्रयास जारी है।

तालाब में तैरती मिली मिली गांव के दामाद की लाश

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन थाना क्षेत्र में होली के दूसरे दिन गुरुवार सुबह ग्राम राखी के एक तालाब में एक युवक का शव तैरता हुआ मिला। सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सेजबहार रायपुर निवासी सूरज दास मानिकपुरी (26 वर्ष) के रूप में की गई। मृतक होली मनाने ससुराल गांव राखी आया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह कुछ ग्रामीण रोज की तरह तालाब के आसपास टहल रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में तैरते शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल पाटन पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पाटन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर प्रारंभिक जांच शुरू की। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। होली का त्योहार मनाने ससुराल आया था।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक होली खेलने के बाद तालाब में नहाने गया था, जहां संभवतः गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पाटन पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

होली पर्व पर दुर्ग पुलिस का सघन जांच अभियान, शराब पीकर वाहन चलाने वाले 88 वाहन चालकों पर कार्रवाई

ooooo

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

होली पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा जिले में विशेष सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 88 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस द्वारा 2 मार्च से 4 मार्च 2026 के बीच जिले के 25 प्रमुख और संवेदनशील चौक-चौराहों पर दिन-रात फिक्स प्वाइंट ड्यूटी लगाकर लगातार जांच की गई। जांच के दौरान ब्रीथ एनालाइजर के माध्यम से वाहन चालकों की जांच की गई, ताकि शराब पीकर वाहन चलाने जैसी खतरनाक प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

अभियान के दौरान कुल 88 वाहन चालक शराब सेवन के बाद वाहन चलाते पाए गए। इनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त किया गया। सभी प्रकरणों को 6 मार्च 2026 को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

यह सघन जांच अभियान पुलगांव चौक, पटेल चौक, ग्रीन चौक, जेल तिराहा, नेहरू नगर चौक, सेक्टर-9 चौक, 25 मिलियन चौक, अवंती बाई चौक, छावनी चौक, खुर्सीपार चौक, मुर्गा चौक, डीपीएस चौक और जुनवानी चौक सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर चलाया गया।

यातायात पुलिस के अधिकारियों और कमर्चारियों ने दिन-रात ड्यूटी कर अभियान को सफल बनाया, जिसके चलते होली के दिन जिले में किसी भी प्रकार की गंभीर सड़क दुर्घटना नहीं हुई। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और शराब सेवन कर वाहन न चलाएं। यातायात नियमों का पालन कर स्वयं और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

यातायात व्यवस्था में सुधार और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने जिले में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार विभागीय अधिकारियों को रिफ्लेक्टर, स्पीड ब्रेकर एवं स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीएसपी के अधिकारियों को उतई बायपास रोड हेतु आवश्यक जमीन संबंधी एनओसी लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराने कहा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने जिले में चिन्हित ग्रे-स्पॉट के संबंध में एएसपी यातायात को संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के संबंध में अवगत कराने के निर्देश दिये। उन्होंने बीएसपी के अधिकारियों को चिन्हित क्षेत्रों में सर्विस लेन निर्माण हेतु जमीने उपलब्ध कराने कहा। एएसपी ने चौक-चौराहों एवं व्यस्तम मार्गों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही पर जोर देते हुए विभागीय अधिकारियों को इस हेतु हरसंभव आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

बैठक में पूर्व बैठक की पालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गई, जिसमें अधिकारियों ने पूर्ण कार्य, अद्यतन प्रगति एवं की गई विभागीय कार्यवाही की जानकारी दी। साथ ही जिले की सड़कों में यातायात सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न सुझावों पर विचार-विमर्श कर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में एएसपी यातायात सुश्री ऋचा मिश्रा, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम भिलाई-03 महेश राजपूत, एसडीएम धमधा सोनल डेविड, आरटीओ एस.एल. लकड़ा, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, तहसीलदार प्रभुश्च गुप्ता, डॉ. सी.बी.एस. बंजारे सहित एनएचएआई एवं एनएचआई, पुलिस विभाग और बीएसपी के अधिकारी उपस्थित थे।

दिन भर खेला होली और रात में लगा ली फांसी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वैशाली नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 24 साल के युवक ने 4 मार्च को दिन भर होली खेला और फिर रात में अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक की पहचान राजीव नगर, भिलाई निवासी सौरभ सोनकर के रूप में हुई है। युवक होली के दिन परिजनों के साथ था और होली भी खेली, लेकिन रात में फांसी के फंदे पर उसकी लाश मिली।

जानकारी के मुताबिक सौरभ ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। जब परिजनों और दोस्तों को इसकी जानकारी मिली तो वे तुरंत उसे नीचे उतारकर भिलाई के एक निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल के बाहर कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया था। बड़ी संख्या में परिजन और जानने वाले वहां पहुंच गए थे। परिवार के लोग उसे दूसरे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने शव को उसी अस्पताल की मर्च्युरी में रखवा दिया। गुरुवार सुबह शव का पोस्टमॉर्टम सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में कराने के बाद पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को शव सौंप दिया।

इससे पहले घटना की सूचना मिलते ही सुपेला थाना और वैशाली नगर थाना के प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घर का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। परिवार के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि युवक ने यह कदम क्यों उठाया।

कृषक उन्नति योजना: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हितग्राहियों से की बात

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कृषक उन्नति योजना के तहत आज प्रदेश के 24.28 लाख किसानों को आदान सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई। विकासखण्ड बिल्हा जिला बिलासपुर से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा कुल 10,324.84 करोड़ की राशि डीबीटी माध्यम से किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी जिलों में किया गया तथा मुख्यमंत्री हितग्राहियों से संवाद भी किए।

जिले में दुर्ग, धमधा और पाटन विकासखण्डों में कार्यक्रम आयोजन किया गया। कृषक उन्नति योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले के कुल 1,06,830 कृषकों को लगभग 407.89 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई। इसमें विकासखण्ड दुर्ग के 25,057 किसानों को 8,703.03 लाख रूपए, पाटन के 44,122 किसानों को 16,995.87 लाख रूपए तथा धमधा के 37,651 किसानों को 15,090.54 लाख रूपए की राशि शामिल है।

दुर्ग विकासखण्ड के विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कृषक उन्नति योजना को सम्बोधित करते हुए उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। प्रदेश के 25 लाख से अधिक किसानों के लिए यह खुशी और गर्व का अवसर है। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत बड़ी पहल की गई है। केन्द्र व राज्य सरकार ने किसानों से किया गया वादा पूरा कर रही है और किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। आधुनिक तकनीक और नई-नई कृषि पद्धतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर आधुनिक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

किसानों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से मौसम और वर्षा की जानकारी उपलब्ध हो जाती है, जिससे वे अपनी खेती का कार्य योजनाबद्ध तरीके से करते हैं। राज्य सरकार द्वारा उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भूमिहीन किसानों को 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दी जा रही है। आज पूरे छत्तीसगढ़ में किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से राशि ट्रांसफर की जा रही है। इसे प्रदेश के किसानों के लिए एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। भारत की 70 से 80 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। किसान ही वह वर्ग है जो पूरे विश्व को अन्न उपलब्ध कराता है। इसलिए किसान को धरती का भगवान कहा जाता है। राज्य सरकार द्वारा हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भी कृषक उन्नति योजना के तहत जिले के किसानों के खाते में अंतरित की गई राशि पर किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और इसकी पहचान पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुई। आज इसकी गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई दे रही है।

इस अवसर पर कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत निपानी के मुकेश सिंह ठाकुर, रीवागहन(अ) के रमेश कुमार साहू व शंभूराम साहू, बटरेल के चम्मेश्वर साहू व भोकलु राम साहू, कौही के जीवनलाल सोनकर, तर्रा के कमलेश चंद्राकर, औरी से केवल चंद्राकर व संदीप चंद्राकर एवं पचपेडी से महेन्द्र चंद्राकर को उत्कृष्ट कृषि गतिविधियों एवं योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में उप संचालक संदीप भोई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इसी प्रकार विकासखण्ड पाटन के डॉ. खूबचंद बघेल भवन में लोकसभा सांसद विजय बघेल, विकासखण्ड धमधा के मंगल भवन बानबरद अहिवारा में अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी व श्रीमती सिल्ली थॉमस, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती श्रद्धा साहू व सुश्री प्रिया साहू, सुरेन्द्र कौशिक, उप संचालक कृषि संदीप भोई, जिला सहकारी बैंक सीईओ सुनील वर्मा सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

खास खबर

भाई के हत्यारे को कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा

जशपुरनगर। जशपुर जिले के कुनकुरी सत्र न्यायालय ने पारिवारिक हिंसा के एक जघन्य मामले में कड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी वैद कुमार को आजीवन कारावास की सजा दी है। न्यायालय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, कुनकुरी बलराम कुमार देवांगन ने आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और एक हजार के अर्थदंड से दंडित किया। घटना 23 अप्रैल 2025 की शाम थाना तुमला क्षेत्र के ग्राम कुल्हारबुड़ा (मोहानटोली) में हुई थी। आरोपी वैद कुमार का अपनी पत्नी के साथ विवाद चल रहा था और वह मारपीट कर रहा था। घर में शोर सुनकर बड़ा भाई अभिमन्यु बीच-बचाव के लिए आगे आया और छोटे भाई को पत्नी पर हाथ उठाने से मना किया। इसी बात से आरोपी आपा खो बैठा और पास रखे डंडे से अभिमन्यु के सिर, माथे और आंखों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण अभिमन्यु की मौके पर ही मौत हो गई। दस महीनों में गवाहों और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद न्यायालय ने फैसला सुनाया। फैसला सुनाते समय न्यायाधीश ने कहा कि अपने ही सगे भाई की हत्या करना अक्षम्य और गंभीर अपराध है।

शराब दुकान के चखना सेंटर में मारपीट, तीन घायल

कोरबा। कोरबा में होली इवेंट के दौरान दो गुटों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। यह घटना दादर स्थित शराब दुकान के चखना सेंटर में हुई। मारपीट में तीन लोग घायल हो गए। घटना मानिकपुरी पुलिस चौकी क्षेत्र की है। मानिकपुर इलाके के एक भवन में होली इवेंट आयोजित था। कार्यक्रम के दौरान दो गुटों के युवकों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई। बहस के बाद एक गुट के युवक शराब पीने दादर स्थित शराब दुकान पहुंचे। यहां दूसरा गुट भी पहुंच गया। इसके बाद दोनों गुटों के बीच फिर से विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान कुछ युवकों ने एक घायल के सिर पर शराब की खाली बोतल से हमला किया। इस घटना में तीन लोग घायल हुए हैं। मारपीट की घटना चखना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। किसी ने घटना का वीडियो भी बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मानिकपुर चौकी पुलिस वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश कर रही है। सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत हाल ही में 67 गिरफ्तारी वारंटी और 30 स्थायी वारंटी सहित कुल 97 वारंटियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

हैवानियत की हदें पार, नाबालिग से दुष्कर्म, वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

नई दृष्टिबिंदु

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां के दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र में न सिर्फ नाबालिग से दुष्कर्म किया बल्कि उसका वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देते हुए ब्लैकमेल भी किया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्परता से काम किया और तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों को पुलिस ने जेल भेज दिया।

पुलिस ने मामले में तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी सहित तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत तब हुई जब एक नाबालिग युवक पीड़िता को 'डैम' घुमाने के बहाने बहला-फुसलाकर एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने पीड़िता के साथ जबरदस्ती की। इसी दौरान वहां मौजूद अन्य लोगों ने न सिर्फ इस कृत्य का वीडियो बनाया, बल्कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को ब्लैकमेल किया। उन्होंने पीड़िता के साथ सामूहिक दुष्कर्म भी किया।

घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को अपनी आपबीती सुनाई। परिजनों ने बिना समय गंवाए दल्ली राजहरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक विकास पाटले के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को धर दबोचा।

नगर पुलिस अधीक्षक विकास पाटले ने बताया कि शिकायत मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और सामूहिक दुष्कर्म की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना में प्रयुक्त मोबाइल और अन्य साक्ष्य पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। हमारा प्रयास है कि पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय मिले, पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा।

मुख्य आरोपी नाबालिग युवक पीड़िता को बहला-फुसलाकर सुनसान स्थान पर ले गया था। वहां उसने पीड़िता के साथ जबरदस्ती की और अन्य आरोपियों ने वीडियो बनाया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उन्होंने पीड़िता को ब्लैकमेल किया। इसके बाद सभी आरोपियों ने मिलकर सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम दिया। पीड़िता के परिजनों की शिकायत के बाद ही आरोपी गिरफ्तार हुए।

25 किलो गांजा के साथ दो युवक दुर्ग रेलवे स्टेशन से हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु

भिलाई। गांजा तस्करी करने वालों लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा दुर्ग रेलवे स्टेशन में 25 किलो 435 ग्राम गांजा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों ओड़िशा से गांजा लेकर कटनी बेचने जा रहे थे। इस बीच दुर्ग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के हत्थे चढ़े। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस की धारा के तहत कार्रवाई की गई।

ऑपरेशन नरकोश के तहत मुखबीर की सूचना पर दुर्ग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं 2-3 में गांजा के साथ युवकों को पकड़ा गया है। आरोपी ओड़िशा से दुर्ग पहुंच कटनी रेलवे स्टेशन जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। तभी युवकों को चार बैग गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए गांजा की कीमत 12,71,750 रुपए है। दोनों आरोपी ओड़िशा से ट्रेन में सवार होकर दुर्ग पहुंचे थे। यहां से कटनी के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे तभी आरपीएफ ने इन्हें दबोच लिया। बरामद गांजा को ओडिशा से खरीदकर कटनी बेचने के लिए जा रहे थे। उनके द्वारा एनडीपीएस (NDPS Act) 1985 की धारा 20 (बी) के अधीन मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

बॉयफ्रेंड के घर पर गर्लफ्रेंड ने लगाई फांसी

नई दृष्टिबिंदु

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शादी से इनकार करने पर गर्लफ्रेंड ने बॉयफ्रेंड के घर पर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल युवती अपने बॉयफ्रेंड के घर रहने आई थी। दोनों ने शारीरिक सम्बंधन बनाए लेकिन इसके बाद आरोपी युवक उसे छोड़कर भाग गया। मानसिक दबाव में आकर युवती ने सुसाइड कर लिया।

दरअसल, मल्हार क्षेत्र की युवती का ग्राम धनगवा निवासी राजू लहरिया (33) के साथ लव अफेयर था। दोनों अक्सर एक दूसरे से मिलते थे। युवती बार-बार शादी का दबाव बना रही थी, लेकिन उसका प्रेमी राजू टालमटोल करता रहा। 24 फरवरी को युवती राजू के घर पहुंच गई। इस दौरान राजू ने अपने घर पर ही उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।

इसके बाद जैसे ही युवती ने शादी की बात कही तो प्रेमी ने मना कर दिया। इससे नाराज युवती उसके घर में रहने लगी। इस बात से नाराज प्रेमी राजू घर छोड़ कर भाग गया। फोन करने पर प्रेमी फोन भी उठाना बंद कर दिया। जिसके बाद युवती परेशान होकर मानसिक दबाव में आ गई।

26 फरवरी की रात लड़की ने राजू के माता-पिता के साथ खाना खाया और अपने कमरे में सोने चली गई। रात में उसने कमरे के रोशनदान के एंगल से स्कार्फ बांधकर फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह माता-पिता सोकर उठे तो युवती ने दरवाजा नहीं खोला। खिड़की से झांकने पर उन्हें युवती की लाश रोशनदान से फंदे पर लटकते दिखी। इस दौरान राजू के माता-पिता ने घटना की जानकारी आसपास के लोगों के साथ ही पुलिस को दी। मामले में पुलिस ने प्रेमी के खिलाफ खुदकुशी के लिए उकसाने और दुष्कर्म की धाराओं के तहत जुर्म दर्ज किया है। उनकी मौजूदगी में शव को पंचनामा के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। जिसके बाद परिजन थाने पहुंच गए। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ चौकी में पहुंचकर हत्या का केस दर्ज करने की मांग की। आरोपी राजू घर छोड़कर बिलासपुर के सरकंडा में छिपा था। जहां 1 मार्च को दबिश देकर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

नौकरी लगाने के नाम पर 10 लाख की ठगी

नई दृष्टिबिंदु

भिलाई। सहायक ग्रेड-3 एवं एनटीपीसी में एई पद पर नौकरी लगाने का झांसा देकर 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले पति-पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने एनटीपीसी के एई पद का फर्जी नियुक्ति पत्र ई-मेल के माध्यम से भेजा था। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने धारा 420, 467, 468, 120(बी) भादवि के तहत मामला दर्ज किया। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

इस मामले में रविकांत साहू, निवासी बोरीगारका थाना उतई जिला दुर्ग द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि पद्मनाभपुर निवासी प्रिया देशमुख व प्रशांत देशमुख ने मंत्रालय में सहायक ग्रेड-3 पद पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। उक्त प्रयास सफल न होने पर प्रार्थी को एनटीपीसी में एई पद पर नियुक्ति कराने का आश्वासन दिया गया। आरोपियों द्वारा किस्तों में कुल 10,00,000 रुपए प्राप्त कर फर्जी नियुक्ति पत्र ई-मेल के माध्यम से भेजा।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना पदमनाभपुर में अपराध क्रमांक 143/2026 धारा 420, 467, 468, 120(बी) भादवि के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी प्रिया देशमुख, उम्र 36 वर्ष, निवासी न्यू आदर्श नगर थाना पदमनाभपुर को विधिवत गिरफ्तार किया गया। प्रकरण के सह-आरोपी प्रशांत कुमार देशमुख, उम्र 49 वर्ष, निवासी न्यू आदर्श नगर दुर्ग को दिनांक 01.03.2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना पदमनाभपुर के निरीक्षक, उप निरीक्षक, प्रधान आरक्षक एवं साइबर सेल टीम की सक्रिय एवं तकनीकी सहयोगपूर्ण भूमिका रही, जिनके द्वारा त्वरित विवेचना कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि किसी भी शासकीय व अर्धशासकीय संस्था में नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि की मांग करने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। इस प्रकार के अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कोरबा में 16 वर्षीय छात्रा ने लगाई फांसी

कमरे से सुसाइड नोट बरामद, जांच में जुटी पुलिस

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। कोरबा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक 16 वर्षीय छात्रा ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतिका की पहचान सांची कंवर के रूप में हुई है, जो सेंट जेवियर स्कूल में 11वीं कक्षा की छात्रा थी। पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है।

घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पुलिस को छात्रा के कमरे से एक सुसाइड नोट मिला है। हालांकि, सुसाइड नोट में क्या लिखा है, इसका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि सांची कंवर मोगरा थाना में पदस्थ आरक्षक रजपाल सिंह कंवर की भांजी थी। वह अपनी मां के साथ मामा के घर पुलिस लाइन इलाके में रहती थी। मृतिका मूल रूप से अमरपुर कटघोरा की निवासी थी। घटना के बाद परिवार सदमे में है। पुलिस ने मृतिका के पास से उसका मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बताया गया है कि जब छात्रा ने आत्महत्या की, उस समय उसके कान में हेडफोन लगा हुआ था। पुलिस इन सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने बताया कि सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए परिजनों के बयान दर्ज किए हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सीएसईबी-कर्मी के बेटे की झाड़ियों में मिली लाश

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। कोरबा के दर्री थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक मुकेश कंवर की मौत हो गई। वह दर्री सीएसईबी कॉलोनी का निवासी था और उसके पिता जगदीश कंवर सीएसईबी कर्मचारी हैं। यह घटना सीएसईबी मिनी हाइडल पावर प्लांट के पास हुई।

जानकारी के अनुसार, मुकेश अपनी ओला स्कूटी पर सवार होकर दर्री कॉलोनी से कोरबा की ओर जा रहा था। सड़क किनारे झाड़ियों में उसकी स्कूटी गिरी हुई मिली, जबकि युवक का शव कुछ दूरी पर झाड़ियों में पड़ा मिला। राहगीरों ने उसे तत्काल बाहर निकाला और उपचार के लिए एनटीपीसी अस्पताल पहुंचाया।

सड़क हादसे में मौत की आशंका

एनटीपीसी अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद मुकेश को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है, जिसमें किसी भारी वाहन की चपेट में आने से उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही दर्री थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई शुरू की। शव को एनटीपीसी अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखा गया था, जिसे बाद में पोस्टमार्टम के लिए कटघोरा अस्पताल भेजा गया।

मृतक मुकेश कंवर दर्री स्थित एक निजी पावर प्लांट कंपनी में कार्यरत था। उसकी शादी नहीं हुई थी। दर्री थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दीवार ढहने से मासूम की मौत : उद्योग मंत्री परिजनों से मिले, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। कोरबा में दीवार ढहने से मासूम की मौत के मामले में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने रविवार देर शाम परिवार से मुलाकात की। उन्होंने संजय नगर स्थित लक्ष्मणबन बस्ती पहुंचकर पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

यह घटना दो दिन पहले हुई थी, जब बस्ती में एक बाउंड्रीवाल ढह गई। इस हादसे में 4 वर्षीय धनेश कर्ष की दबकर मौत हो गई थी। वहीं, सोनू कर्ष (20) और विशाल यादव (18) गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि निर्माणधीन मकान पर जेएसईबी मशीन से काम चल रहा था, तभी अचानक बाउंड्रीवाल गिर गई। इस हादसे में एक आँटो और एक बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थानीय लोगों ने किया था थाने का घेराव

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली थाने का घेराव किया था। उन्होंने मुख्य मार्ग पर चक्का जाम भी कर दिया था, जिसे उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद समाप्त किया गया।

मंत्री देवांगन ने घटनास्थल का दौरा कर परिजनों और स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवार के सदस्यों से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

मंत्री लखन लाल देवांगन ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों से फोन पर बात की। उन्होंने घटना की सूक्ष्मता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस दौरान महापौर संजू देवी राजपूत, भोलू यादव, पार्षद नरेंद्र देवांगन, मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा और राकेश नागरमल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कोतवाली थाना पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की जांच कार्रवाई में जुटी हुई है।

आरोपी ने नाबालिग और मां को दी धमकी, गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु

कोरबा। कोरबा में एक नाबालिग लड़की को युवक ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने नाबालिग की मां को भी डराया। यह घटना मानिकपुर चौकी क्षेत्र में हुई। जांजगीर जिले के 23 वर्षीय समीर यादव ने नाबालिग के घर पहुंचकर उसे धमकाया। उसने कहा, तुम मेरी हो और तुम्हें किसी और का होने नहीं दूंगा। अगर तुम्हारी शादी किसी और से हुई तो तुम्हें और तुम्हारे पति को जान से मार दूंगा।

नाबालिग और मां ने पुलिस चौकी में की शिकायत

घटना के बाद नाबालिग और उसकी मां ने हिम्मत जुटाकर मानिकपुर चौकी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की। आरोपी समीर यादव को उसके मोबाइल नंबर के आधार पर कोरबा से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

नाबालिग से एकतरफा प्यार करता था आरोपी

पुलिस के अनुसार, आरोपी समीर यादव और नाबालिग दोनों जांजगीर जिले के एक ही गांव के निवासी हैं। कुछ साल पहले नाबालिग अपने परिवार के साथ कोरबा आकर रहने लगी थी। समीर पहले भी उसके घर आता-जाता था और मोबाइल पर भी बात करता था। वह नाबालिग से एकतरफा प्यार करता था, जबकि नाबालिग ने उसके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

यह भी बताया गया है कि लगभग छह महीने पहले भी समीर कोरबा में नाबालिग के घर आया था और उसके साथ मारपीट की थी। उस समय भी मानिकपुर चौकी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी और पुलिस ने कार्रवाई की थी।

मानिकपुर चौकी प्रभारी परमेश्वर राठौर ने पुष्टि की कि शिकायत मिलने के बाद जांजगीर निवासी समीर यादव के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उसे न्यायिक रिमांड पर भेजकर जेल दाखिल कर दिया गया है।

खेत से केंद्र तक भरोसा : महिला किसान धान खरीदी व्यवस्था की पहचान

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी शुरू होते ही छत्तीसगढ़ के खेत-खलिहानों से सिर्फ धान ही नहीं, बल्कि भरोसे और संतोष की खुशबू भी उठने लगी है। किसानों के चेहरों पर लौटी यही मुस्कान शासन की नीतियों की असली पहचान है। इस भरोसे की जीवंत तस्वीर हैं धमतरी जिले के ग्राम संबलपुर की महिला किसान श्रीमती चैती बाई साहू, जिनकी कहानी संवेदनशील शासन और सुशासन का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

चैती बाई के परिवार में वर्षों से धान विक्रय की जिम्मेदारी उनके पति निभाते रहे हैं, किंतु इस वर्ष स्वास्थ्य खराब होने के कारण यह दायित्व उन्होंने स्वयं संभाला। यह उनके लिए सिर्फ धान बेचने की प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की परीक्षा भी थी। पूर्व निर्धारित तिथि पर कटे हुए टोकन के अनुसार वे 57 क्विंटल धान लेकर खरीदी केंद्र पहुँचीं।

पहली बार इतनी बड़ी जिम्मेदारी उठाने के बावजूद चैती बाई के चेहरे पर कोई घबराहट नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और संतोष झलक रहा था। उन्होंने बताया कि धान खरीदी केंद्र की सुव्यवस्थित और पारदर्शी व्यवस्था ने पूरे कार्य को सहज और सम्मानजनक बना दिया। केंद्र में बारदाना, हमाल, डिजिटल तौल मशीन, प्रशिक्षित ऑपरेटर, पेयजल, शौचालय, बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध थीं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

धान विक्रय के पश्चात मिलने वाली राशि से चैती बाई अपने पति का बेहतर इलाज कराना चाहती हैं। उनकी आवाज में सरकार के प्रति कृतज्ञता साफ झलकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए संबल जैसा है। इस निर्णय ने खेती को न केवल लाभकारी बनाया है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान की है।

चैती बाई मानती हैं कि बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य उनके परिवार के जीवन में नई स्थिरता लेकर आया है। घर के खर्च, इलाज और भविष्य की जरूरतों को लेकर अब चिंता कम हुई है। उन्होंने धान खरीदी केंद्र के कमर्चारियों, हमालों और प्रशासनिक अमले की खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि सभी ने सहयोग, संवेदनशीलता और सम्मान के साथ कार्य किया।

चैती बाई की यह कहानी सिर्फ एक महिला किसान की व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह प्रमाण है कि जब शासन की नीतियाँ ईमानदारी, संवेदनशीलता और सशक्त क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरती हैं, तो उनका लाभ सीधे अंतिम पंक्ति में खड़े किसान तक पहुँचता है। उनकी मुस्कान में सरकार की नीतियों की सफलता, व्यवस्था पर भरोसा और किसान वर्ग का बढ़ता आत्मविश्वास साफ झलकता है। संबलपुर की चैती बाई आज सिर्फ धान बेचने वाली किसान नहीं, बल्कि प्रदेश की किसान-केंद्रित नीतियों की सशक्त आवाज बन चुकी हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था की सफलता और सरकार की किसान-हितैषी प्रतिबद्धता का जीवंत दस्तावेज है।

निधन

राजाराम सोनकर

सोमनी। ग्राम खुटेरी निवासी भूतपूर्व सरपंच एवं कांग्रेस के वरिष्ठ राजाराम सोनकर पिता मदन लाल सोनकर का आज दोपहर को निधन हो गया है। जिसका अंतिम यात्रा ग्राम खुटेरी निवास से मुक्तिधाम के लिए निकाला गया और अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

संपादकीय

पीएम मोदी हमेशा शांति के पक्षधर

विश्व राजनीति में पीएम मोदी की लोकप्रियता कभी कम नहीं होती है तो इसलिए नहीं होती है कि वह मानवता व शांति के प्रबल पक्षधर रहे हैं,जिस क्षेत्र में भी दो देशों के बीच युध्द शुरू हुआ है पीएम मोदी ने हमेशा यही कहा है कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर है, वह विश्व में मानवता का कल्याण चाहता है और इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी शांति को मानता है। चाहे रूस यूक्रेन युध्द हो या इजराइल-ईरान युध्द,चाहे अमरीका-ईरान युध्द भारत ने दोनों देशों से कहा है कि हर समस्या का समाधान संवाद व कूटनीति के माध्यम से हो सकता है, इसके लिए दोनों देशों के बीच निरंतर बातचीत होते रहना चाहिए ।युध्द भले ही दो देशों के बीच होता हैं लेकिन उससे पूरी दुनिया प्रभावित होती है, बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं, बड़ी संख्या में लोग घायल हो जाते हैं, विकलांग हो जाते हैं बड़ी संख्या में लोग दूसरे देश पलायन कर जाते हैं।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पश्चिम एशिया की वतर्मान स्थिति हमारे लिए गंभीर चिंता का विषय है ।भारत बातचीत व कूटनीति के माध्यम से सभी विवादों के समाधान का समर्थन करता है ।इस क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर हम सभी देशों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे ।उन्होंने मध्य पूर्व के देशों के कई राष्ट्राध्यक्षों से फोन पर बात भी की है और कहा है कि मध्य पूर्व क्षेत्र में जल्द शांति व स्थिरता की बहाली जरूरी है ।पीएम मोदी के पहले भारत की विदेश नीति तब की स्थिति के अनुसार थी और पीएम मोदी के आने के वतर्मान स्थिति को देखते हुए तय की गई है। इससे अब तक तो देश को फायदा ही हुआ, विश्व में भारता सम्मान बढ़ा है,विश्व में भारत का प्रभाव बढ़ा है। पीएम मोदी के एक लाइन की विदेश नीति है कि विश्व में शांति व स्थिरता ताकि मानवता का कल्याण हो। इसी तरह आर्थिक तौर पर पीएम की नीति देशहित को प्राथमिकता है।

पीएम मोदी की हर नीति एकदम साफ है लेकिन कांग्रेस सहित देश के विपक्षी दलों का काम मोदी की हर बात का विरोध करना है तो वह करते रहते हैं और खुद को हास्यास्पद बनाते रहते हैं। वह सोचते हैं हम पीएम मोदी को गलत साबित कर उनका कद कम कर सकते हैं, उनकी लोकप्रियता कम कर सकते हैं लेकिन आज तक वह नहीं कर पाए हैं, हाल में ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खामनेई की अमरीका व इजराइल ने संयुक्त रूप से हमले में मौत हो गई ।कांग्रेस की नीति तो यही रही है कि जब भी मौका मिले मुसलमानों को खुश किया जाए। भारत में बड़ी संख्या में शिया मुसलमान रहते हैं और खामनेई शिया धमर्गुरू थे. इसलिए उनकी मौत पर भारत के कई राज्यों में शिया समुदाय ने शोक जताया और अमरीका व इजराइल की आलोचना की। कांग्रेस ने भी की और उसने पीएम मोदी की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने खामनेई की मौत पर शोक व्यक्त नहीं किया।

कांग्रेस की मजबूरी हो सकती है कि कोई धार्मिक शिया नेता मारा जाए तो शोक व्यक्त करे क्योंकि उसे अपने वोट बैंक की चिंता रहती है और आजादी के बाद से उसकी नीति ही यही रहीं कि मुसलमान वोट बैक को हर तरह से खुश रखा जाए,इसके लिए उसने कहा था देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, यही वजह है कि जब पाकिस्तान देश में आतंकवादी हमला करता था तो कांग्रेस सरकार इस डर से पाकिस्तान के खिलाफ कोई जवाबी कारर्वाई नहीं करती थी कि देश के मुसलमान नाराज हो जाएंगे। पीएम मोदी की नीति कांग्रेस से अलग है,वह मुसलमानों को भी देश की आबादी का हिस्सा मानते हैं,जैसा सबको सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है वैसा ही मुसलमानों को भी मिलता है ।ऐसा कभी और कहीं नहीं हुआ कि मुसलमान होने के कारण किसी योजना का लाभ किसी को न मिला हो। पीएम मोदी मुसलमानों को वोट बैंक नहीं समझते है यही वजह है कि वह वैसा व्यवहार करना उचित नहीं समझते हैं जैसा कांग्रेस करती है।

पीएम मोदी ने अयातुल्ला अली खामनेई के मारे जाने पर इसलिए भी शोक व्यक्त नहीं किया कि वह ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता जरूर थे लेकिन वह किसी संवैधानिक पद पर नहीं थे। किसी देश की सरकार की तरफ से किसी देश के पीएम, राष्ट्रपति की मौत पर शोक व्यक्त किया जाता है क्योंकि वह संवैधानिक पद पर होता है, कुछ माह पहले ईरान के राष्ट्रपति की मौत पर भारत की तरफ से उनके अंतिम संस्कार मे यहां से बड़ा प्रतिनिधिमंडल भेजा गया था,चूंकि खामनेई किसी संवैधानिक पद पर नहीं थे इसलिए उनकी मौत पर जरूरी नहीं था कि सरकार या पीएम मोदी शोक व्यक्त करते। खामनेई की मौत पर पीएम मोदी ने शोक व्यक्त न कर कोई गलती नहीं की है। जो ठीक है वही किया है लेकिन कांग्रेस की आदत है कि पीएम मोदी कुछ भी करेंगे तो उसे तो बताना है देश को कि देखो यह पीएम मोदी ने ठीक नहीं किया है।

पति का वध, अंग्रेजी यातना और उपेक्षित अंत : वीरांगना नीरा आर्य की अदम्य गाथा

डॉ. अजय आर्य

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास असंख्य वीरों और वीरांगनाओं के साहस, त्याग और बलिदान से आलोकित है। किंतु यह भी उतना ही कटु सत्य है कि इन महान बलिदानियों में से अनेक नाम समय की धूल में दब गए। ऐसी ही एक अद्भुत, साहसी और विलक्षण स्वतंत्रता सेनानी थीं नीरा आर्य, जिनका जन्म 5 मार्च 1902 को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के खेकड़ा नगर में हुआ था। उनका जीवन साहस, संघर्ष, त्याग, अंग्रेजी अत्याचार और अंततः उपेक्षा की एक अत्यंत मार्मिक और हृदयविदारक गाथा है।

नीरा आर्य का बचपन भी सामान्य नहीं था। खेकड़ा में एक समय आर्य समाज का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित हुआ था। उस सम्मेलन में कोलकाता के प्रतिष्ठित व्यापारी सेठ छज्जूमल भी आए थे। उन्होंने नीरा और उनके भाई बसंत कुमार को गोद ले लिया और दोनों को अपने साथ कोलकाता ले गए। इसी कारण उनकी शिक्षा-दीक्षा कोलकाता में हुई। नीरा आर्य की प्रारंभिक शिक्षा कोलकाता के निकट भगवानपुरा ग्राम में हुई। उनके प्रारंभिक शिक्षक बनी घोष थे, जिन्होंने उन्हें संस्कृत का ज्ञान दिया। आगे चलकर उन्होंने कोलकाता में ही उच्च शिक्षा प्राप्त की। वे हिन्दी, अंग्रेजी और बंगाली सहित अनेक भाषाओं में दक्ष थीं।

युवावस्था में उनका विवाह ब्रिटिश शासन के सीआईडी इंस्पेक्टर श्रीकांत जयरंजन दास से हुआ। किंतु यह विवाह उनके जीवन का सबसे बड़ा वैचारिक संघर्ष सिद्ध हुआ। उनके पति अंग्रेजों के अत्यंत वफादार अधिकारी थे, जबकि नीरा आर्य का हृदय राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता की भावना से ओतप्रोत था। इसी दौरान अंग्रेजी सरकार ने श्रीकांत जयरंजन दास को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जासूसी करने और उन्हें समाप्त करने का गुप्त कार्य सौंपा। जब नीरा आर्य को यह ज्ञात हुआ कि उनके पति नेताजी की हत्या की योजना में शामिल हैं, तब उनके सामने जीवन का सबसे बड़ा नैतिक द्वंद्व खड़ा हो गया—एक ओर पति का संबंध था और दूसरी ओर देश और स्वतंत्रता आंदोलन का प्रश्न।

अंततः उन्होंने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए एक कठोर और ऐतिहासिक निर्णय लिया। कहा जाता है कि जब उनके

पति नेताजी के विरुद्ध षड्यंत्र में सक्रिय हुए, तब नीरा आर्य ने उन्हें समझाने और रोकने का प्रयास किया। परंतु जब वे नहीं माने और देशद्रोही कार्य पर अड़े रहे, तब राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए नीरा आर्य ने अपने ही पति का वध कर दिया। यह घटना उनके जीवन की सबसे नाटकीय और साहसिक घटना थी। इसी के बाद अंग्रेजी सरकार की नजर में वे एक खतरनाक क्रांतिकारी घोषित कर दी गईं।

इसके बाद वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज में शामिल हो गईं और रानी झांसी रेजिमेंट की वीर सिपाही बनीं। उनकी अदम्य साहसिकता के कारण उन्हें नीरा नागिनी के नाम से भी पुकारा जाने लगा। उनके भाई बसंत कुमार भी आजाद हिन्द फौज में सम्मिलित होकर राष्ट्रसेवा में लगे थे।

आजाद हिन्द फौज में रहते हुए उन्होंने अनेक साहसिक और जोखिमपूर्ण अभियान किए। एक बार उनकी साथी दुर्गा को अंग्रेजों ने बंदी बना लिया। तब नीरा आर्य और उनकी साथी राजामणि ने उसे छुड़ाने का साहसिक निर्णय लिया। दोनों ने हिजड़ा नतर्की का वेश धारण किया और उस स्थान पर पहुँचीं जहाँ दुर्गा को कैद करके रखा गया था। उन्होंने अंग्रेज अधिकारियों को नशीली दवा खिलाकर अपनी साथी को मुक्त कराया और वहाँ से निकल पड़ीं।

भागते समय एक अंग्रेज सिपाही की गोली राजामणि की दाहिनी टांग में लग गई। खून बहता रहा, पीड़ा असहनीय थी, फिर भी उन्होंने साहस नहीं छोड़ा। वे किसी प्रकार एक ऊँचे पेड़ पर चढ़ गईं। नीचे अंग्रेज सैनिकों का सर्च ऑपरेशन चलता रहा और तीन दिन तक वे भूखी-प्यासी उसी पेड़ पर छिपी रहीं। अंततः तीन दिन बाद वे सुरक्षित आजाद हिन्द फौज के शिविर में लौट आईं। राजामणि की टांग में लगी गोली ने उन्हें जीवन भर के लिए लंगड़ा बना दिया। उनकी इस अद्भुत वीरता से प्रभावित होकर नेताजी ने राजामणि को रानी झांसी ब्रिगेड में लेफ्टिनेंट तथा नीरा आर्य को कैप्टन का पद प्रदान किया।

परंतु इसके बाद नीरा आर्य के जीवन में एक अत्यंत भयावह अध्याय प्रारंभ हुआ। अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और जेल में डाल दिया। उनसे नेताजी और आजाद हिन्द फौज के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए अंग्रेज अधिकारियों ने अमानवीय और क्रूर अत्याचार किए।

उनकी आत्मकथा में वर्णित एक घटना अंग्रेजी शासन की क्रूरता का हृदयविदारक चित्र प्रस्तुत करती है। वे लिखती हैं- मुझे गिरफ्तार करने के बाद पहले कलकत्ता जेल में भेजा गया। यह घटना कलकत्ता जेल की है, जहाँ हमारे रहने का स्थान वे ही कोठरियाँ थीं, जिनमें अन्य महिला राजनीतिक अपराधी रही थीं। हमें रात के 10 बजे कोठरियों में बंद कर दिया गया। चटाई, कंबल आदि का नाम भी नहीं था। जमीन पर ही सोना पड़ा। आधी रात को एक पहरेदार दो कंबल फेंककर चला गया। कंबलों के गिरने से नींद टूट गई। मन में संतोष भी हुआ और भारत माता से दूर होने की पीड़ा भी साथ थी।

वे आगे लिखती हैं- सूर्य निकलते ही मुझे खिचड़ी मिली और एक लुहार आया। हाथ की सांकल काटते समय उसने चमड़ा भी काट दिया। पैरों की बेड़ियाँ काटते समय वह हथौड़ी से बार-बार मेरी हड्डियों को ठोककर देख रहा था। मैंने दुखी होकर कहा—क्या अंधा है, जो पैर में मारता है? उसने उत्तर दिया—पैर क्या, हम तो दिल में भी मार देंगे। मैंने कहा—बंधन में हूँ, तुम्हारा क्या कर सकती हूँ। फिर मैंने उसके ऊपर थूक दिया और कहा—औरतों की इज्जत करना सीखो। जेलर ने कड़क आवाज में कहा—अगर बता दो कि तुम्हारे नेताजी सुभाष कहाँ हैं तो तुम्हें छोड़ दिया जाएगा। मैंने उत्तर दिया—वे तो हवाई दुर्घटना में चल बसे, सारी दुनिया जानती है। जेलर बोला—नेताजी जिंदा हैं, झूठ बोलती हो। मैंने कहा—हाँ, नेताजी जिंदा हैं। जेलर ने पूछा—कहाँ हैं? मैंने कहा—मेरे दिल में। यह सुनते ही जेलर क्रोधित हो उठा। उसने कहा—तो तुम्हारे दिल से नेताजी को निकाल देंगे। इसके बाद उन्होंने मेरा आँचल खींच लिया और मेरी अंगिया फाड़ दी। लुहार को संकेत किया गया। उसने एक बड़ा सा औजार उठाया, जिससे बगीचे की मोटी डालियाँ काटी जाती हैं। उस औजार से मेरे दाएँ स्तन को दबाकर काटने की कोशिश की गई। उसमें धार नहीं थी, इसलिए वह केवल दबता गया और असहनीय पीड़ा देता रहा। उसी समय जेलर ने मेरी गर्दन पकड़ते हुए कहा—ह्यअगर फिर जबान लड़ाई तो तुम्हारे दोनों स्तन छाती से अलग कर देंगे। उसने चिमटानुमा हथियार मेरी नाक पर मारते हुए कहा—शुक्र मनाओ हमारी महारानी विक्टोरिया का कि इसे आग से नहीं तपाया गया, नहीं तो तुम्हारे दोनों स्तन पूरी तरह उखाड़ दिए जाते। यह घटना केवल एक महिला क्रांतिकारी पर किया गया अत्याचार नहीं थी, बल्कि अंग्रेजी शासन की अमानवीयता और क्रूरता का भयावह उदाहरण थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी उनका जीवन सुखमय नहीं रहा। जिस वीरांगना ने देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था, उसे स्वतंत्र भारत में वह सम्मान और सहारा नहीं मिला जिसकी वह वास्तविक अधिकारी थीं।

जीवन के अंतिम दिनों में उन्हें हैदराबाद में फूल बेचकर अपना गुजारा करना पड़ा। वे फलकनुमा क्षेत्र में एक छोटी-सी झोंपड़ी में रहती थीं। दुर्भाग्यवश वृद्धावस्था में उनकी वह झोंपड़ी भी तोड़ दी गई क्योंकि वह सरकारी भूमि पर बनी हुई थी। बीमारी, निर्धनता और उपेक्षा की अवस्था में उन्होंने चारमीनार के पास स्थित उस्मानिया अस्पताल में जीवन के अंतिम दिन बिताए। रविवार 26 जुलाई 1998 को उन्होंने एक गरीब, असहाय, निराश्रित और बीमार वृद्धा के रूप में इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

उनके निधन के बाद हिन्दी दैनिक स्वतंत्र वार्ता के पत्रकार तेजपाल सिंह धामा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनका अंतिम संस्कार कराया। नीरा आर्य का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा देशभक्त वही होता है जो राष्ट्रहित के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का साहस रखता है, चाहे वह अपना परिवार, अपना सुख या अपना भविष्य ही क्यों न हो। आज उनके जन्मदिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके बलिदान और संघर्ष को कभी नहीं भूलेंगे। नीरा आर्य केवल एक नाम नहीं, बल्कि साहस, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर प्रतीक हैं। उनका जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में सदैव प्रेरणा का दीपक बनकर जलता रहेगा।

एक शांत मौत जो बहुत कुछ कहती है

एक शांत मौत बुधवार को श्रीलंका के तट से करीब 44 नॉटिकल मील दूर एक अमेरिकी टॉरपीडो से गिराए गए ईरानी फ्रिगेट IRIS डेना की "शांत मौत" ने हिंद महासागर में नौसेना में सबसे ऊपर रहने की भारत की लंबे समय से चली आ रही उम्मीदों में एक सबमरीन जितना बड़ा छेद कर दिया है। सालों से, नई दिल्ली ने खुद को इस इलाके के लिए "नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर" के तौर पर पेश किया है, फिर भी एक बाहरी इलाके की ताकत की भारत के मुख्य तटीय इलाके में और हाई-प्रोफाइल MILAN 2026 एक्सरसाइज के तुरंत बाद ह्र एक हाई-स्टेक्स काइनेटिक स्ट्राइक करने की क्षमता, भारत के दबदबे के भ्रम को कुछ हद तक कम करती है।

अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अनजाने में नई दिल्ली को उसके क्षेत्रीय मैनेजमेंट को लेकर आलोचना का सामना कराता है और स्ट्रेटेजिक ऑटोनॉमी की सोच को कमजोर करता है, क्योंकि भारत खुद को अमेरिका और एक पुराने एनर्जी सप्लायर के बीच टकराव का एक तमाशबीन पाता है। देना पर हमला होने से भारत की इस सोच को भी कुछ हद तक नुकसान हुआ है कि वह इलाके के पानी की सुरक्षा की गारंटी दे सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि हमले से कुछ समय पहले ही यह जहाज विशाखापत्तनम में सरकारी मेहमान था। इसके अलावा, इस हरकत से बाहरी मिलिट्री एक्टिविज्म के नॉर्मल होने का खतरा है, जिससे दूसरी ग्लोबल ताकतों, खासकर चीन को यह सिग्नल मिलेगा कि हिंद महासागर एकतरफा ऑपरेशन के लिए एक खुला मैदान है, जहां भारतीय संप्रभुता और इलाके के असर को बिना किसी रोक-टोक के चुनौती दी जा सकती है।

अपने ब्लू-वॉटर के लक्ष्यों को बचाने के लिए, इंडियन नेवी को पानी के नीचे के इलाके की जानकारी को प्राथमिकता देकर इस सबसरफेस एंगेजमेंट से जल्दी सही नतीजा निकालना होगा। यह बात कि एक वर सबमरीन बिना पता चले युद्धाभ्यास कर सकती है और हमला कर सकती है, भारत की मौजूदा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर (ASW) क्षमताओं में एक बड़ी कमी की ओर इशारा कर सकती है। अगर भारत अपने आस-पास के इलाकों को "शांत" खतरों से सुरक्षित नहीं रख सकता, तो एक भरोसेमंद "ब्लू वॉटर" फोर्स होने का उसका दावा सिर्फ दावे के दायरे में ही रहेगा। असली ब्लू वॉटर कैपेसिटी सिर्फ कैरियर बैटल ग्रुप्स और पोर्ट विजिट्स के बारे में नहीं है; यह किसी के स्ट्रेटेजिक दायरे में विदेशी एक्टर्स की बिना इजाजत वाली काइनेटिक कारर्वाइयों का पता लगाने, उन्हें रोकने और उन्हें रोकने की लगातार क्षमता के बारे में है। इस घटना ने अनजाने में नई दिल्ली को उसके रिएक्टिव रवैये के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा, जिससे लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान, एडवांस्ड सोनार नेटवर्क और ऑटोनॉमस अंडरवाटर गाड़ियों में भारी निवेश के जरिए एक्टिव एनफोर्समेंट की ओर बदलाव की जरूरत पड़ी। सिर्फ. जियोपॉलिटिकल बयानबाजी और टेक्निकल अरह की काबिलियत के बीच के अंतर को कम करके ही भारत अपने तटीय पानी को विदेशी सुपरपावर के लिए खेल का मैदान बनने से रोक सकता है, और यह पक्का कर सकता है कि देश की नाकामी की वजह से अगली "शांत मौत" न हो।

केजरीवाल बरी तो भाजपा से ज्यादा कांग्रेस परेशान

सुनील दास

दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल को निचली अदालत ने शराब घोटाले के तमाम आरोपों से बरी कर दिया है ।इसका देश व कई राज्यों की राजनीति पर असर पड़ सकता है ।इससे दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में राजनीति के नए समीकरण बनने की संभावना बढ़ गई है। केजरीवाल और उनकी पार्टी के दिल्ली चुनाव हार जाने केर बाद दिल्ली सहित कई राज्यों से गायब हो गई थी। देश सहित कई राज्यों में राहुल गांधी सहित कांग्रेस के लिए राजनीति का पूरा मैदान खाली हो गया था। दिल्ली,गुजरात.यूपी ऐसे कई राज्य रहे हैं जहां आप अपना जनाधार बढ़ाकर अपनी राजनीति का विस्तार करना चाहती थी लेकिन दिल्ली चुनाव हार जाने के कारण केजरीवाल व उनकी पार्टी पंजाब तक सीमित रह गई थी ।इससे राहुल गांधी को चुनौती देने वाला कोई नेता नहीं रह गया था।

केजरीवाल के दिल्ली की राजनीति में सक्रिय नहीं रहने के कारण मोदी के खिलाफ कहने वाले, कुछ करने वाले एक ही नेता रह गए थे राहुल गांधी यानी केजरीवाल के न रहने से माना जा रहा था कि पीएम मोदी का मुकाबला एक ही आदमी कर सकता है और वह है राहुल गांधी। देश की राजनीति में पीएम मोदी का विकल्प एक ही नेता है और वह है राहुल गांधी ।जब तक दिल्ली के सीएम केजरीवाल थे, वह दिल्ली का चुनाव नहीं हारे थे तो पीएम मोदी के खिलाफ सबसे ज्यादा बोलने वाले व कुछ करने वाले नेता के रूप में केजरीवाल का नाम भी लिया जाता था और माना जाता था कि राहुल गांधी से ज्यादा तो पीएम मोदी के खिलाफ केजरीवाल ही करते हैं। मीडिया में भी केजरीवाल को राहुल गांधी से ज्यादा जगह मिला करता था। केजरीवाल ने तो खुद को पीएम मोदी की टक्कर का नेता बताने के लिए एक बार काशी से चुनाव भी लड़ा था।

केजरीवाल जब तक दिल्ली का चुनाव नहीं हारे थे तो हिंदी बेल्ट के जिस राज्य में भी चुनाव होता था वहां केजरीवाल की पार्टी चुनाव जरूर लड़ती थी, वह गुजरात,हरियाणा,यूपी,राजस्थान,मप्र, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जहां कांग्रेस मजबूत मानी जाती है,वहां चुनाव लड़ते थे और उसका नुकसान कांग्रेस को होता था। क्योंकि वह कांग्रेस के जनाधार में ही सेंध लगाता रहा है ।गुजरात में इससे कांग्रेस कमजोर हुई है,चुनाव हारी है। केजरीवाल ने कई राज्यों में कांग्रेस को कमजोर करके उसकी जगह लेने का प्रयास किया है। इसमें उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है लेकिन इससे कांग्रेस कई राज्यों में कमजोर हुई है। उसका वोट प्रतिशत कम हुआ है। उसका वोट आप को गया है। दिल्ली में केजरीवाल की हार से यह सब बंद हो गया था क्योंकि केजरीवाल ने मान लिया था कि शराब घोटाले के कारण जनता ने उनको वोट नहीं दिया और हरा दिया।

अब जब कोर्ट ने शराब घोटाले के तमाम आरोपों से मुक्त कर दिया है तो वह फिर से खुद को कट्टर ईमानदार बता रहे हैं और जनता के बीच जाकर अपने लिए फिर से जगह बनाना चाहते हैं ।वह जनता की सहानुभूति बटोरना चाहते हैं। यही वजह है कि वह कह रहे हैं कि वह तो ईमानदार नेता हैं, उनको तो झूठे मामले में फंसाया गया है ताकि उनकी ईमानदार नेता की छबि पर दाग लगाया जा सके। चुनाव हारे तो माना गया कि जनता ने उनको शराब घोटाला करने वाला नेता माना है। इसके बाद केजरीवाल के लिए दिल्ली में कुछ बचा नहीं था,उन्होंने अपनेआपको को पंजाब तक सीमिति कर रखा था, वह राष्ट्रीय राजनीति से गायब हो गए थे, गठबंधन की राजनीति में कोई हैसियत नहीं रह गई थी। कोर्ट के फैसले से उनको फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने का मौका मिला है। फिर से खुद को मोदी की टक्कर के नेता के रूप में पेश करने का मौका मिला है ।यही बात कांग्रेस को बहुत बुरी लग रही ही।

यही वजह है कि दूसरे विपक्षी दलों ने जहां केजरीवाल के पक्ष में कोर्ट का फैसला आने का स्वागत किया है वहीं कांग्रेस ने स्वागत करने की जगह कहा है कि भाजपा पंजाब व गुजरात विधानसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को नहला-धुलाकर वाशिंग मशीन से निकालकर पेश कर रही है ताकि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को कमजोर किया जा सके ।आप और केजरीवाल को कांग्रेस सबसे ज्यादा नापसंद करती है,क्योंकि उसके कारण कई राज्यों में उसे राजनीतिक नुकसान हुआ है,कई राज्यों की राजनीति जो अब तक भाजपा व कांग्रेस तक सीमित थी वहां आप भी एक खिलाड़ी हो गई है और इससे भाजपा को नुकसान नहीं होता है लेकिन कांग्रेस को नुकसान होता है और वह सत्ता में वापसी नहीं कर पा रही है और भाजपा दूसरी तीसरी बार चुनाव जीत रही है। गुजरात मे यही हुआ, दिल्ली में यही हुआ, हरियाणा में यही हुआ।

इस क्षेत्रीय युद्ध को वैश्विक संकट में बदलते हुए देर नहीं लगेगी

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कारर्वाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है?

तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कारर्वाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं।

ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा।

यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है।

सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है।

बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है।

75000 पांडुलिपियां और हजारों किताबें हैं वेटिकन की इस लाइब्रेरी में

रोम में कैथोलिक चर्च का हिस्सा वेटिकन लाइब्रेरी दुनिया की सबसे पुरानी लाइब्रेरियों में से एक है। हालांकि इसे औपचारिक रूप से 1475 में स्थापित किया गया था, लेकिन इसके शुरुआती रूपों का इतिहास कैथोलिक चर्च की उत्पत्ति से जुड़ा है। लगभग 600 वर्षों में लाइब्रेरी में हजारों की संख्या में संग्रह हुए हैं। वेटिकन लाइब्रेरी में वर्तमान में 10 लाख से भी अधिक पुस्तकें, 75,000 पांडुलिपियां और 8,500 से अधिक इनक्यूनाबुला यानी विशेष प्रकार से मुद्रित पुस्तकें हैं। लाइब्रेरी में बाइबिल की सबसे पुरानी पूर्ण पांडुलिपि है। साथ ही मध्ययुगीन काल की कई अन्य महत्वपूर्ण रचनाएं भी हैं। यह इतिहास, कानून, दर्शन, विज्ञान और धर्मशास्त्र के लिए एक शोध पुस्तकालय है।

डिजिटल भी हो रही हैं किताबें

मार्च 2014 में वेटिकन लाइब्रेरी ने पांडुलिपियों के अपने संग्रह को डिजिटल बनाने की एक प्रारंभिक 4 वर्षीय परियोजना शुरू की थी, जिसे ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाना था। वेटिकन लाइब्रेरी उन सभी को सामग्री उपलब्ध करवाती है, जिन्हें शोध और अध्ययन के लिए यहां की किताबों की जरूरत होती है।

अध्ययन के लिए दी गई हैं कई जरूरी सुविधाएं

1801 और 1990 के बीच प्रकाशित पुस्तकों के पन्नों के निजी अध्ययन के लिए फोटोकॉपी, व्यक्तिगत रूप से या मेल द्वारा करने पर जरूरतमंदों को उपलब्ध कराने की सुविधा भी यहां दी गई है।

240 पन्नों के इस किताब में छिपा है बहुत कुछ, लेकिन आज तक कोई जान नहीं पाया

दुनिया कई रहस्यमयी चीजों से भरी हुई है। कुछ रहस्यों को लोगों ने सुलझा लिया तो कुछ रहस्य अभी भी पहेली बने हुए हैं। रहस्य किसी भी चीज से जुड़ी हो सकती है। चाहे वो इंसान के मौत का रहस्य हो या फिर किसी दुर्लभ जीव का पृथ्वी पर पाए जाना। एक ऐसा ही रहस्य एक किताब से जुड़ा हुआ है। जिसे आजतक कोई नहीं पढ़ पाया है। यह किताब पूरे 240 पन्नों की है। इस किताब के बारे में इतिहासकार बताते हैं कि यह किताब लगभग 600 साल पुरानी है। यह किताब एक अनसुलझी पहेली की तरह है। इस किताब के कार्बन डेटिंग से पता चलता है कि इसको 15वीं सदी में लिखा गया था। इस किताब को हाथ से लिखा गया है। लेकिन उस किताब पर क्या लिखा है, कौन सी भाषा में लिखा है। इस रहस्य को आज तक कोई नहीं सुलझा पाया है। इस किताब के रहस्य को सुलझाने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। इस रहस्यमयी किताब को वॉयनिक मैनुस्क्रिप्ट नाम दिया गया है। इस किताब में इंसानों से लेकर पेड़-पौधों और अन्य कई चीजों की तस्वीरें बनी हुई हैं। इसके अलावा इस किताब में कई ऐसे पेड़-पौधों की तस्वीरें बनी हुई हैं, जो इस पृथ्वी पर मौजूद ही नहीं हैं।

इस किताब का नाम 'वॉयनिक मैनुस्क्रिप्ट' इटली के एक बुक डीलर विलफ्रीड वॉयनिक के नाम पर रखा गया है। माना जाता है कि उन्होंने ही इस रहस्यमय किताब को साल 1912 में कहीं से खरीदा था। कहा जाता है कि इस रहस्यमय किताब में कई पन्ने हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ इसके कई पन्ने खराब हो गए। फिलहाल इसमें सिर्फ 240 पन्ने ही बचे हैं। इस किताब के बारे में कुछ खास तो पता नहीं चल पाया है, लेकिन इतना जरूर पता चला है कि किताब में लिखे गए कुछ शब्द लैटिन और जर्मन भाषा में हैं। कई लोगों का मानना है कि इस किताब को इस तरह लिखा गया है कि इसके रहस्य को छिपाया जा सके। अब वो रहस्य क्या है, ये तो किताब लिखने वाला ही जानता होगा या हो सकता है कि आने वाले वक्त में इस किताब को पढ़ा जा सके।

दुनिया कई ऐसे रहस्यों से भरी पड़ी हैं, जिन्हें आज तक कोई नहीं सुलझा पाया। ऐसा भी नहीं है कि इन उलझी हुई गुत्थियों को सुलझाने की किसी ने कोशिश न की हो। दरअसल वैज्ञानिक या शोधकर्ता जितनी बार भी इन रहस्यों के पीछे का सच जानने की कोशिश करते हैं, वो उतना ही उलझ जाते। आज हम आपको ऐसी ही एक रहस्यमयी किताब के बारे में बताने जा रहे हैं। दरअसल 240 पन्नों की एक किताब के बारे में कहा जाता है कि इसे आज तक कोई भी पढ़ नहीं पाया है। इतिहासकारों के मुताबिक यह किताब लगभग 600 साल पुरानी है। कार्बन डेटिंग के जरिए पता लगाया गया कि इस किताब को 15वीं सदी में लिखा गया था।

1584 में बनाया गया था 7 मंजिला बदनोर किला

बदनोर फोर्ट राजस्थान के भीलवाड़ा में एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित प्राचीन किला है, जो अपने इतिहास और वास्तुकला के लिए जाना जाता है। वैसे भीलवाड़ा को टैक्सटाइल सिटी के नाम से भी जाना जाता है लेकिन ऐतिहासिस रूप से भी इसका अपना महत्व है। भीलवाड़ा का यह किला सात मंजिला है। इस किले को मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला की उत्कृष्ट मिसाल माना जाता है। बदनापुर (बदना) नामक एक परमार राजा ने 845 ईस्वी में बदनापुर की स्थापना की जो बाद में बदनोर के नाम से जाना गया। 1439 ई के एक शिलालेख के अनुसार इसे वर्धनपुरा कहा जाता था। देश और दुनिया के सैलानी इस किले को देखने यहां आते हैं। यहां स्थित चतुर्भुज विष्णु

कुछ ही दूरी पर है मेनाल वॉटर फॉल

मंदिर में एक विजय स्तंभ के अनुसार इस किले का निर्माण 1584 में किया गया था। यहां पर द्वारकाधीश और सीता राम जी मंदिर भी स्थित हैं। भीलवाड़ा में किले को देखने आने वाले सैलानी मेनाल बॉटर फॉल देखना भी पसंद करते हैं। यह एक खूबसूरत झरना है, जहां पर्यटक भारी संख्या में आना पसंद करते हैं। यह भीलवाड़ा-कोटा मार्ग पर स्थित है और भीलवाड़ा से लगभग 80 किलोमीटर दूरी पर है। इस झरने का पानी 150 मीटर की ऊंचाई से गिरता है, जिससे यहां का एक सुंदर दृश्य दिखाई देता है। बदनौर किले के आस-पास के इलाकों में पारंपरिक राजपुताना शैली की इमारतें हैं। सैलानी इस शहर और किले के आस-पास के दर्शनीय स्थलों पर भी जाना पसंद करते हैं। यहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक हरणी महादेव मंदिर भी है, जोकि शहर से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पहाड़ियों से घिरा हुआ यह स्थान पर्यटकों को आकर्षित करता है। पास ही का शाहपुरा शहर भी प्रसिद्ध है। यह भीलवाड़ा से लगभग 55 कि.मी. दूर है। यहां के राम द्वार मंदिर में भी देश के हर कोने से श्रद्धालु आते हैं। यहां का प्रसिद्ध वार्षिक फूल डोल मेला फाल्गुन मार्च-अप्रैल में पांच दिनों के लिए लगता है।

163 साल पहले लंदन में चली थी दुनिया की पहली अंडरग्राउंड ट्रेन

दुनिया की पहली अंडरग्राउंड ट्रेन लंदन में 10 जनवरी 1863 को चलाई गई थी। इसके लिए 11 अलग-अलग लाइन तैयार की गई थीं। इन लाइन्स को बेकरलू, सेंट्रल, विक्टोरिया, मेट्रोपॉलिटन और जुबली लाइन जैसे नाम दिए गए थे। इनकी पहचान अलग अलग रंगों से की जाती थी। उस समय ट्यूब नाम से मशहूर इन रेलों का पहला सफर 9 जनवरी को शुरू हुआ था। इसके अगले दिन यानी 10 जनवरी को इसे आम लोगों के लिए शुरू किया गया था। उस समय इस ट्रेन को भाप से चलाया जाता था, जिसके लिए सुरंगों में वेंटिलेशन की व्यवस्था थी ताकि भाप आसानी से बाहर निकल सके। पहली बार यह ट्रेन पैडिंगटन से फायरिंग डॉन स्ट्रीट स्टेशन के बीच चली थी, जो मेट्रोपॉलिटन लाइन पर थी। इस अंडरग्राउंड ट्रेन के डिब्बे लाल रंग के थे। साल 1905 से इन रेलों को बिजली से चलाया जाने लगा था। 1984 में भारत में पहली बार कोलकाता में अंडरग्राउंड ट्रेन चली थी।

महंगे इंजीनियर को दिया था काम

अंडरग्राउंड ट्रेन चलाने के लिए उस समय के सबसे महंगे इंजीनियर सर जॉन फॉलर की मदद ली गई थी। उन्हें लंदन में अंडरग्राउंड ट्रेन चलाने का काम 1853 में दिया गया था, जिसे पूरा होने में 10 साल का समय लगा था। इसके अलावा लंदन के मशहूर विक्टोरिया स्टेशन का डिजाइन भी फॉलर ने ही तैयार किया था। भारत सरकार ने भी नैरो गेज रेलवे लाइन के लिए फॉलर से सलाह मांगी थी।

दुनिया में श्रेष्ठ वास्तुकला की खूबसूरत मिसाल है बवेरियन नेउशवांस्टीन

जर्मनी के दक्षिण में एल्प्स पर्वत श्रृंखलाओं की तलहटी के ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों पर बना 19वीं सदी का ऐतिहासिक महल है। यह महल 1800 के दशक का है, जर्मनी में स्थित नेउशवांस्टीन किला मध्ययुगीन वास्तुकला को दर्शाता है।

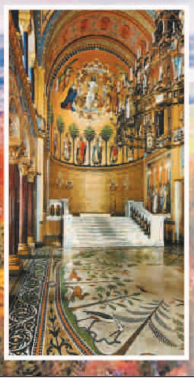

बवेरियन नेउशवांस्टीन दुनिया की श्रेष्ठ वास्तुकला की एक खूबसूरत मिसाल है। यह जर्मनी के दक्षिण में एल्प्स पर्वत श्रृंखलाओं की तलहटी की एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी पर बना महल है। यह किला जर्मनी के परी कथा महलों में से एक माना जाता है, जो बवेरिया के बुंडेसलैंड में श्वांगी शहर में स्थित है। बवेरियन राजा लुडविग द्वितीय ने इस किले का निर्माण करवाया था। कहते हैं लुडविग ने अपने देश को खूबसूरत बनाने का सपना देखा था। इसलिए उन्होंने वहां शानदार निर्माण किए और यह किला उन्हीं में से एक है।

क्वीन मैरी ब्रिज से दिखता है नजारा

इस महल की खूबसूरती का नजारा ऊंचाई से देखने के लिए यहां आने वाले सैलानी यहां के एक खास ब्रिज क्वीन मैरी ब्रिज का उपयोग करते हैं। क्वीन मैरी ब्रिज पास ही स्थित है, जहां से किले का खास व्यू नजर आता है। 5 सितंबर 1869 को इस किले की नींव रखी गई थी। 1882 में यह किला पूरी तरह से बनकर तैयार हो गया था। नेउशवांस्टीन कैसल मध्ययुगीन वास्तुकला को दर्शाता है, क्योंकि इस भव्य महल का निर्माण करने वाले बवेरिया के राजा लुडविग द्वितीय को हमेशा पुराने इतिहास और मध्ययुगीन युग की कलात्मक चीजों से लगाव रहा है। महल के रखरखाव पर हर साल करोड़ों का खर्च किया जाता है।

सिर्फ बड़े ऐलान करने से काम होता...

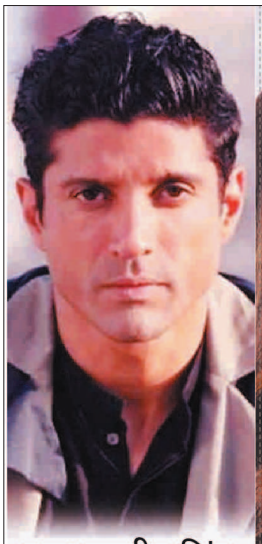

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

जोया अफरोज ने बहुत कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रख दिया था। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट 'हम साथ साथ हैं' और 'मन' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा टीवी शोज 'कोरा कागज' और 'सोन परी' में भी उनकी मौजूदगी ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई।

बचपन से एक्टिंग लाइन में हैं जोया

कैमरे के सामने पली-बढ़ी जोया कहती हैं कि उन्हें हमेशा से एक्टिंग की बारीकियां समझने का मौका मिला। लेकिन बचपन की पहचान को पीछे छोड़कर एक परिपक्व कलाकार के रूप में खुद को बनाना करना आसान नहीं था। जोया का मानना है कि इंडस्ट्री में खुद को नए रूप में पेश करना सिर्फ बड़े ऐलान करने से नहीं होता। असली बदलाव तब दिखता है जब कलाकार अपने काम से दर्शकों को चौंकाए।

काम ही एक कलाकार को टिकाए रखता है

जोया के मुताबिक, 'आप कितनी भी बातें कर लें, लेकिन जब तक आपकी परफॉर्मेंस स्क्रीन पर असर नहीं छोड़ती, तब तक लोग आपको नए नजरिए से नहीं देखते।' वह मानती हैं कि शोहरत का दौर आता-जाता रहता है, लेकिन लगातार अच्छा काम ही एक कलाकार को लंबे समय तक टिकाए रखता है। जोया अपनी आने वाली फिल्म 'ये दिल सुन रहा है' को अपने करियर का अहम पड़ाव मानती हैं। उनका कहना है कि यह प्रोजेक्ट उनके अंदर के संवेदनशील और भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। जोया आखिरी बार तस्करी वेब सीरीज में नजर आई थीं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसमें इमरान हाशमी हैं, जो ईमानदार कस्टम अधिकारी की भूमिका में हैं जबकि शरद केलकर विलेन के रूप में हैं।

30 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी धनुष स्टारर 'कारा'

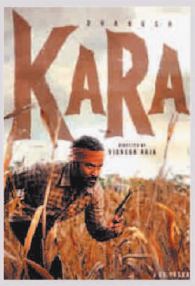

बॉलीवुड फिल्म 'तेरे इश्क में' से तारीफें बटोर चुके धनुष अब नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मेकर्स ने अभिनेता की अपकमिंग फिल्म 'कारा' की रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा ने किया है। फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है। 'कारा' के मेकर्स ने एलान किया है कि एक्शन एंटरटेनर फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का एलान इशारी के गणेश ने किया। फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस, वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी है।

'कल्कि 2' में दीपिका की जगह नजर आएंगी साई पल्लवी

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का सीक्वल 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। जिसकी एक खास झलक हाल ही में अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर शेयर की थी। जानकारी के अनुसार, अब दीपिका की जगह एक साउथ एक्ट्रेस सुमति के रोल में नजर आएंगी।

दीपिका ने क्यों छोड़ा प्रोजेक्ट

खबर के अनुसार, दीपिका इस फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। वजह है- फीस में बढ़ोतरी (पहली फिल्म से करीब 35% ज्यादा), काम के घंटों की मांग (नई मां होने के कारण वर्क-लाइफ बैलेंस)। वहीं एक वजह यह भी थी कि दीपिका की भूमिका को कैमियो तक सीमित करने की बात हुई, जिससे वे सहमत नहीं हुईं। यही वजह है कि दीपिका अब इस फिल्म का हिस्सी नहीं हैं। अब दीपिका की जगह साई पल्लवी को 'कल्कि 2' में मुख्य भूमिका के लिए फाइनल किया गया है।

साई पल्लवी की एंट्री

अब 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल 'कल्कि 2' में साउथ अभिनेत्री साई पल्लवी 'सुमति' का किरदार निभाएंगी। साई की टीम के एक सदस्य ने पुष्टि करते हुए कहा, 'यह साई ही हैं (दीपिका की जगह)। दीपिका के जाने के बाद भी रोल बरकरार रखा गया,और अब साई इसे निभाएंगी।' हालांकि, अभी तक निर्देशक नाग अश्विन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

फिल्म की शूटिंग शुरू

इस हफ्ते की शुरुआत में अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर अश्वत्थामा के लुक की तस्वीरें शेयर की और कन्फर्म किया कि 'कल्कि 2' की शूटिंग शुरू हो गई है। उन्होंने कमल हासन के साथ रीयूनियन की फोटोज भी पोस्ट कीं। शूटिंग हैदराबाद में चल रही है।

फिल्म 'कल्कि 2'

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल 'कल्कि 2' में पहले से ही प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दिशा पाटनी, कीर्ति सुरेश जैसे बड़े नाम हैं। साई पल्लवी की एंट्री से फिल्म में नई एनर्जी और दक्षिण भारतीय टच आएगा। अभी तक रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की गई है।

बॉलीवुड में काम नहीं करना चाहती एक्ट्रेस कानी कुसृति

जहां एक तरफ बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के बीच कलाकारों का आना-जाना तेजी से बढ़ रहा है, वहीं एक कलाकार ने इस ट्रेंड के बीच एक अलग ही फैसला लिया है। हाल ही में उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने खुद बॉलीवुड फिल्ममेकर्स से कहा है कि उन्हें कास्ट न करें।

अस्सी फिल्म में काम कर चुकी हैं एक्ट्रेस

हम बात कर रहे हैं कानी कुसृति की। कानी को इंटरनेशनल पहचान फिल्म 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' से मिली, जिसे पायल कपाड़िया ने डायरेक्ट किया था। फिलहाल वे फिल्म 'अस्सी' में नजर आ रही हैं, जिसका निर्देशन अनुभव सिन्हा ने किया है। स्क्रीन के साथ एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि वे ज्यादा हिंदी फिल्में क्यों नहीं कर रहीं, तो उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी।

आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए

कानी ने बताया कि वे हिंदी ठीक से नहीं बोल पातीं, इसलिए जो रोल उन्हें ऑफर होते हैं, वे उन्हें निभा नहीं पाएंगी। उन्होंने कहा, 'मैं खुद मेकर्स से कह देती हूं- आप प्लीज मुझे कास्ट मत कीजिए। 'अस्सी' में मेरा किरदार केरल से रखा गया, इसलिए मैं फिल्म कर पाई। वरना अगर किरदार उत्तर भारत का होता, तो मुझे काफी मुश्किल होती। मुझे डायलॉग समझने और याद करने में बहुत समय लग जाएगा। मैं हर मायने में खुद को एक सच्ची मलयाली मानती हूं। आज भी मैंमलयालम में ही सोचती हूं और अंग्रेजी बोलते समय भी मन ही मन ट्रांसलेट करना पड़ता है। मेरे लिए भाषा सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि संस्कृति और सोच से जुड़ी चीज है।'

मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं कानी

बता दें कि कानी मलयालम सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने 2005 से 2007 के बीच त्रिशूर स्कूल ऑफ ड्रामा में थिएटर की पढ़ाई की और बाद में पेरिस में भी एक्टिंग की ट्रेनिंग की। उन्हें पहली बड़ी पहचान 2009 की फिल्म 'केरल कैफे' से मिली। 2010 में उन्होंने 'शिक्कर' में नक्सलाइट का किरदार निभाया, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल भी थे। इसी साल फिल्म 'कॉकटेल' में उनके दमदार एक्टिंग ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। बाद में फिल्म 'बिरयानी' के लिए उन्हें केरल स्टेट फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि, असली वर्ल्डवाइड पहचान उन्हें 'ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट' से मिली। वहीं, उनकी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' में भी उनकी एक्टिंग को लोगों ने काफी सराहा।

विदेश से नहीं करता शॉपिंग, पत्नी और बेटा करते हैं ट्रिप प्लान, मैं चल देता हूं

इमरान हाशमी ने पिछले कुछ सालों में अपने करियर में एक बड़ा बदलाव किया है। रोमांटिक हीरो से हटकर अब वह कई मीनिंगफुल गंभीर किरदारों में नजर आ रहे हैं। वहीं इमरान निजी जिंदगी में एक जिम्मेदार पिता और पति के रोल को भी बखूबी निभा रहे हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज तस्करी: द स्मगलर्स वेब को लेकर। इस बातचीत में उन्होंने अपने ट्रैवल प्लान्स, बच्चे की परवरिश और काम के बारे में बात की।

मुझे कुछ नहीं करना पड़ता घूमने के लिए

इमरान को अपने परिवार के साथ समय बिताना और घूमना-फिरना काफी अच्छा लगता है लेकिन उनका कहना है कि वह जब घूमने निकलते हैं तो उन्हें किसी तरह की कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती है। वह अपने ट्रैवल प्लान किस तरह से तैयार करते हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'दरअसल, मैं घूमने के लिए कभी भी ट्रैवल प्लान नहीं करता हूं। मैं बस बैग पैक करके निकल जाता हूं। मेरी जो घूमने की प्लानिंग होती है वो मेरी वाइफ करती हैं और अब मेरे बेटे ने भी करना शुरू कर दिया है। आमतौर पर किस शहर में घूमने जाना है, इसका सिलेक्शन मेरी पत्नी करती हैं, और किन रेस्तरां में खाना है, उसका चुनाव मेरा बेटा करने लगा है। मैं बस उनके प्लान के हिसाब से घूमने निकल जाता हूं।'

विदेश में शॉपिंग नहीं करता

फिल्मी करियर होने की वजह से इमरान को काफी ट्रैवल करना होता है, जिसके लिए उन्हें एयरपोर्ट जाना होता है। इमरान का कहना है कि वह जब विदेश में जब जाते हैं, तो शॉपिंग ज्यादा नहीं करते। वहीं उन्होंने पॉवरबैंक के जाने को लेकर भी अपनी पुरानी फिक्र पर बात की। वह कहते हैं, 'पहले पॉवरबैंक को लेकर कुछ घटनाएं हुई थीं, तब मुझे हमेशा एयरपोर्ट जाते हुए ये चीज रहती थी कि पॉवरबैंक आखिर रखूं कहां, हैंड बैग में रखूं या सूटकेस में। मैं जब विदेश होता हूं तो वहां बहुत ज्यादा शॉपिंग नहीं करता हूं। मैं मुंबई में ही ऑनलाइन शॉपिंग कर लेता हूं। तो विदेश से कुछ लाकर एयरपोर्ट पर किसी तरह की रुकावट की फिक्र मुझे नहीं रहती है।'

बच्चे के लिए हेलीकॉप्टर पैरेंट्स न बनें

आज के दौर में जब बच्चों की अच्छी परवरिश पैरेंट्स के लिए चुनौती बनती जा रही है, ऐसे में इमरान इस जिम्मेदारी को किस तरह देखते हैं? वह कहते हैं, 'पेरेंटिंग एक बहुत पेचीदा चीज होती है। हम सब उस चीज से जूझ रहे हैं। हम गलतियां करते हैं, फिर उसे सुधारने की कोशिश करते हैं। आजकल सोशल मीडिया एक बड़ी प्रॉब्लम बन रहा है, तो कैसे बच्चे पर नजर रखें, काम और खेल के बीच संतुलन बनाना, वो सब चीजें जरूरी हैं। हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग एक टर्म है, जिससे बचके बच्चों को आजादी भी देनी है, ताकि वो खुद भी निर्णय ले सकें। उसी समय आपको एक स्ट्रीकनेस भी रखनी है, लेकिन अच्छी पेरेंटिंग जैसे विषय को कुछ शब्दों में नहीं सिमटा सकते।'

मैं दर्शक बनकर कहानी को चुनता हूं

करियर के शुरूआत में अपनी लवर बॉय वाली इमेज से निकलकर पिछले कुछ सालों में एक अलग छवि बना ली है। कॉप से लेकर लॉयर तक वह कई गंभीर किरदारों में नजर आ चुके हैं। इन दिनों वह अपनी सीरीज तस्करी को लेकर सुर्खियों में हैं। कई थ्रिलर प्रोजेक्ट में नजर आ रहे इमरान कहते हैं, 'मैं इस तरह से कभी नहीं सोचता कि सिर्फ थ्रिलर, ड्रामा या हॉरर ही करना है। जब कोई कहानी आती है तो मैं एक दर्शक की तरह उस पर रिएक्ट करता हूं। लेकिन तस्करी जैसा शो मैंने पहले बहुत कम किया है।

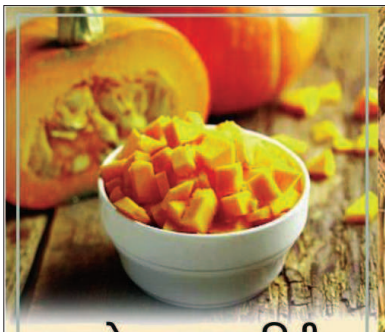

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदानस्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

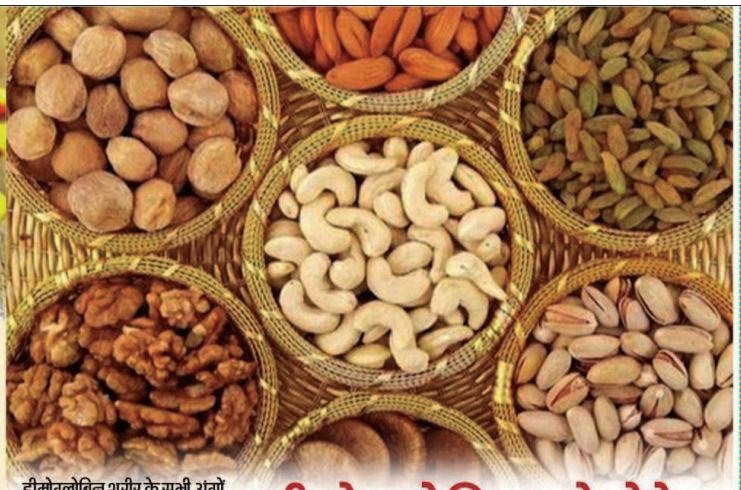

हीमोग्लोबिन को मेंटेन करने में मदद करती हैं ये चीजें

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे।

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1.05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

बेजोड़ सुंदरता और स्वास्थ्य चाहिए, तो रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रेंपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं। नोनी फल के स्वास्थ्य लाभ

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **यह जोड़ों की समस्याओं को दूर करता है**

गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।

- **नोनी जूस आपके बालों के लिए बहुत अच्छा है**

पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।

- **यह थकान को कम करने के लिए जाना जाता है**

थकान का प्रमुख कारण आयरन की कमी है, जिससे एनीमिया हो सकता है। नोनी फल आयरन का एक बड़ा स्रोत है, और इसीलिए यह गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए भी बहुत अच्छा है। तो, अब आप जानते हैं कि यदि आप ऊर्जा पर कम हैं तो आपको क्या चाहिए।

- **यूरिक एसिड को कम करता है**

उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।

- **मानसून से संबंधित बीमारियों के लिए**

मानसून बीमारियों के साथ आता है। खांसी, जुकाम, बदन दर्द, बुखार, दस्त आदि। लेकिन आप में से जो नोनी फल खा रहे हैं, उन्हें सुरक्षा मिलेगी। इसका कारण, इम्यूनिटी है!

करेले में छुपे हैं ढेरों फायदे

कई ऐसी फल और सब्जियां हैं, जो हमारे लिए काफी गुणकारी हैं। ये हमें कई तरह की बीमारियों से बचाकर स्वस्थ और फिट रखती है। कई लोग इनके फायदों से इतने अवगत नहीं होते। अब करेले को ही लीजिए। कड़वेपन के कारण कई लोग करेला खाना पसंद नहीं करते हैं, जबकि करेले में हमारे लिए ढेरों फायदे छुपे होते हैं।

करेले के फायदों को देखते हुए सभी को करेले को प्रमुखता से अपने खानपान का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसे सब्जी के रूप में और साथ ही जूस के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। जानते हैं करेले खाने से हमें कितने फायदे मिलते हैं।

करेला हर किसी की सेहत के लिए अच्छा होता है लेकिन लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं क्योंकि इसे खाकर लोग अक्सर कड़वा महसूस करते हैं। लेकिन करेला सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद साबित होता है इसलिए आपको इससे दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि आपको इससे दोस्ती करनी चाहिए। और हर दिन इसे अपनी डाइट में शामिल करें ताकि आपकी सेहत अच्छी रहे।

अगर आप करेले की सब्जी खाते हैं। तो ऐसे में आप जूस भी लें, इससे आपकी स्किन समस्या के साथ बालों और डायबिटीज को भी काफी फायदा मिलता है। करेले का जूस पीने से आपका चेहरा भी ग्लो करता है। साथ ही बॉडी अच्छे से डिटॉक्स हो जाती है जिससे वेट कंट्रोल होता है। करेला विटामिन सी से भरपूर होता है। ऐसे में जानें कैसे करेले के जूस का इस्तेमाल करें।

डायबिटीज में फायदे

डायबिटीज में करेला हमेशा फायदेमंद साबित होता है। इसमें इंसुलिन जैसा प्रोटीन होता है जिसे पॉलीपेप्टाइड पी कहा जाता है। इसके साथ ही ये डायबिटीज के ब्लड शुगर लेवल को कम करता है म्ये नेचुरल तरीके से आपके डायबिटीज को कम करता है, इसे खाली पेट पीएं।

लिवर के लिए फायदेमंद

करेले का जूस आपकी आंतो को साफ करता है, दरअसल जूस में मोमोर्डिका चारेंटिया नामक एक तत्व पाया जाता है। ये एक एंटीऑक्सीडेंट है जो लिवर को मजबूत करके लिवर डैमेज से सुरक्षा प्रदान करता है, ये आपके ब्लैडर के काम को भी बढ़ावा देता है।

मोटापा कम करे

करेले का जूस मोटापा कम करने में काफी मदद करता है। दरअसल करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। जिससे कैलोरी कंट्रोल में होती है और वजन नहीं बढ़ता है म्आप करेले का जूस लेंगे तो इससे आपकी डिटॉक्स होता है, इसलिए आप वेट लॉस कर रहे हैं तो ऐसे में करेले का जूस जरुर पीएं।

स्किन के लिए अच्छा

करेले के जूस में विटामिन ए और सी जैसे शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। जो आपकी स्किन को अच्छा बनाता है। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है। ये आपकी स्किन की और कई सारी परेशानियों का भी हल निकलता है।

हृदय के लिए

हृदय संबंधी परेशानियों में भी करेला फायदेमंद रहता है। यह हानिकारक वसा को हृदय की धमनियों में जमने नहीं देता जिससे रक्तसंचार सुचारू बना रहता है, और हार्ट अटैक की आशंका कम होती है। करेले की पत्तियों या फल को पानी में उबालकर इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कई तरह का संक्रमण ठीक हो जाता है। वजन होगा कम करेले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं। सुबह के समय करेले के रस में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर पी जाएं तो शरीर डीटॉक्स होता है। इसके अलावा करेला हमारे शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ा देता है, जिससे पाचन सही रहता है और इन स्थितियों में वजन कम करना आसान हो जाता है।

आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है सुबह की खाली पेट चाय की चुस्की

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनके लिए चाय एक एनर्जी ड्रिंक का काम करती है या फिर जिनकी सुबह ही एक कप गर्म प्याली चाय के साथ होती है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां क्या आप जानते हैं खाली पेट सुबह की चाय की गर्म चुस्की आपकी सेहत पर कितना बुरा असर डाल सकती है। आइए जानते हैं।

सुबह खाली पेट चाय पीने से पेट में अम्लीय और क्षारीय पदार्थों के असंतुलन की वजह से चयापचय प्रणाली बाधित हो सकती है। यह शरीर की नियमित चयापचय गतिविधि में हस्तक्षेप करके व्यक्ति को दिन भर परेशान रख सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, जब दूध को चाय के साथ मिलाया जाता है, तो दूध में मौजूद वजन घटाने के लिए जिम्मेदार तत्वों का असर कम हो जाता है। इसके अलावा दूध से बनी चाय पेट के एसिड को बढ़ाकर आपके पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डाल सकती है। जो कि वजन बढ़ने का एक मुख्य कारण हो सकता है।

अल्सर की समस्या

अक्सर आपने कई लोगों को यह कहते सुना होगा कि उन्हें सुबह उठते ही एकदम स्ट्रॉन्ग और गर्मागरम चाय पीना पसंद है। पर क्या आप जानते हैं सुबह-सुबह खाली पेट गर्म चाय पीने से पेट की अंदरूनी हिस्से पर चोट लग सकती है, जो आगे चलकर पेट के अल्सर का कारण भी बन सकता है।

मोटापे की समस्या

खाली पेट चाय पीने से उसमें घुली हुई चीनी शरीर में प्रवेश करती है, जिससे व्यक्ति का वजन बढ़ने के साथ मोटापा भी बढ़ता है।

हड्डियों के लिए बुरी है चाय

खाली पेट लंबे समय तक रोज कई कप चाय के पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी बीमारी हो सकती है यह बीमारी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना देती है। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारी भी हो सकती है।

थकान और चिड़चिड़ापन

ऐसा कहा जाता है कि चाय पीने से ताजगी आती है। हालांकि सच तो ये है कि सुबह दूध वाली चाय पीने से काम में थकान और चिड़चिड़ापन हो सकता है।

पाचन क्रिया पर बुरा असर

सुबह उठते ही कई लोग खाली पेट चाय पीने लगते हैं। जिसकी वजह से उनके पेट में गैस बनने के साथ उनकी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। खाली पेट चाय पीने से पित्त की प्रक्रिया में भी बाधा आती है। जिसकी वजह से मिचली और बेचैनी महसूस हो सकती है।

तनाव बढ़ने का है कारण

सुबह उठते ही फ्रेश और ऊर्जावान बने रहने के लिए लोग एक कप चाय पीना पसंद करते हैं। नतीजतन, ऐसे व्यक्तियों के शरीर में कैफीन की मात्रा काफी बढ़ जाती है और उन्हें नींद न आने के साथ तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं घेर सकती हैं।

हृदय रोग का खतरा

खाली पेट चाय पीने से इसमें मौजूद कैफीन तेजी से शरीर में घुलने लगता है। जो व्यक्ति के ब्लड प्रेशर को प्रभावित करके दिल की सेहत पर भी बुरा असर डालता है।

इस तरह से पिएं चाय

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो हमेशा न ही ज्यादा गर्म और न ही अधिक ठंडी चाय पीएं। सुबह उठते ही चाय पीने की आदत है तो खाली पेट चाय पीने की जगह उसके साथ बिस्किट या स्नैक्स जरूर लें।

सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, युवा कांग्रेस ने की जांच व कार्रवाई की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सेवती अंजोरा में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से बन रही सड़क एवं नाली निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर मौके पर पहुंचे जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेश देशमुख ने निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए।

धर्मेश देशमुख ने बताया कि ग्रामीणों ने फोन के माध्यम से सूचना दी थी कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा किए जा रहे नाली निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब वे मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया तो पाया गया कि जहां 6 इंच की दूरी पर रॉड बांधने का प्रावधान है, वहां लगभग डेढ़ फीट के अंतर से रॉड बांधी जा रही थी, जिससे निर्माण की मजबूती पर सवाल खड़े होते हैं।

देशमुख ने बताया कि इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के एसडीओ अभिषेक मेश्राम से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद सब इंजीनियर प्रफुल्ल राउत से बात की गई, जिन्होंने बताया कि अभी वर्क ऑर्डर जारी नहीं हुआ है और अधिकारियों के निर्देश पर ही काम किया जा रहा है। हालांकि इस विषय पर उन्होंने अधिक जानकारी देने से इंकार करते हुए फोन काट दिया।

युवा कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि बिना वर्क ऑर्डर के काम शुरू करना और वह भी कथित तौर पर घटिया गुणवत्ता के साथ करना केवल ठेकेदार को लाभ पहुंचाने की मंशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी के बड़े अधिकारियों के संरक्षण के बिना ऐसा संभव नहीं है।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान करीब 15 मिनट के भीतर सुपरवाइजर नीलेश गुप्ता मौके पर पहुंचे और आगे लगाए गए रॉड को उखड़वाने लगे तथा ग्रामीणों से फोटो हटाने के लिए कहा। इसके बाद काम बंद कर दिया गया।

युवा कांग्रेस ने मामले की कड़ी निंदा करते हुए कलेक्टर से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा बिना वर्क ऑर्डर के काम शुरू कराने वाले अधिकारियों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कारवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियमानुसार काम नहीं कराया गया तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

मौके पर जिला युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेश देशमुख, अहिवारा विधानसभा उपाध्यक्ष कमल देशमुख, देव आशीष, ग्राम उपसरपंच नरेंद्र धनकर, पंच दानु देशमुख, नंद देशमुख, सुनील देवांगन, दादू देशलहरा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

31 मार्च तक टैक्स नहीं पटाया तो 18 प्रतिशत अधिभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के भवन एवं भूमि स्वामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का संपत्तिकर, यूजर चार्ज, जलकर, भू-भाटक एवं दुकान किराया का भुगतान 31 मार्च 2026 से पहले कर लेवें। 31 मार्च 2026 के बाद संपत्तिकर

का भुगतान नहीं करने पर 18 प्रतिशत का अधिभार एवं 1000.00 रूपये शास्ति शुल्क लगेगा। भवन एवं भूमि स्वामी समय से पहले अपने बकाया करों का भुगतान जमा कर, लगने वाले अतिरिक्त अधिभार से बच सकते है। जिन करदाताओं द्वारा अपना पुराना संपत्तिकर अब तक जमा नहीं किया गया है, वे भी अपना संपत्तिकर 31 मार्च 2026 से पहले जमा कर लगने वाले अधिभार से बचे। संपत्तिकर दाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को सभी जोन कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय में संपत्तिकर के काउंटर समय 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेगें। करदाता अपने करों का भुगतान अवकाश के दिन भी जमा कर सकते हैं।

टी-20 विश्वकप के फाइनल में पहुँची टीम इंडिया, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को पराजित कर फाइनल में पहुँचने पर भारतीय क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने ट्वीट में कहा है कि टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार और जुझारू प्रदर्शन करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को हराकर भव्य अंदाज में फाइनल में प्रवेश किया है। यह पूरे देश के लिए गर्व और उत्साह का क्षण है।

उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों ने अद्भुत टीमवर्क, साहस और उत्कृष्ट खेल कौशल का परिचय देते हुए पूरे देश को गर्व से भर दिया है। यह जीत केवल एक मैच की जीत नहीं, बल्कि हर भारतीय के आत्मविश्वास और तिरंगे की शान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल मुकाबले के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारतीय टीम इसी जज्बे और प्रदर्शन के साथ आगे बढ़ते हुए विश्व मंच पर एक नया इतिहास रचेगी।

कृषक उन्नति योजना से कृषक वर्ग को संबल मिला है : नेमीचंद

दुर्ग। प्रदेश सरकार की कृषक हितैशी प्रयासों से प्रदेश के खेतीहर समाज में खुशहाली की नई लहर दौड़ रही है। आज ह्यकृषक उन्नति योजनाह्ण के अंतर्गत जिले के तीनों विकासखण्डों में गरिमामय कार्यक्रमों का आयोजन कर अंतर की राशि का भुगतान किया गया। विकासखण्ड दुर्ग में आयोजित भव्य समारोह में ग्रामों से आए कृषकों ने राज्य सरकार की नीतियों के प्रति अपना विश्वास जताया। इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए कंजरा (भिलाई) के उन्नत कृषक नेमीचंद देशमुख ने शासन की दूरगामी सोच की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण विकास के लिए इसे क्रांतिकारी कदम बताया। देशमुख ने अपनी बात रखते हुए कहा, ह्यमुख्यमंत्री साय के कुशल नेतृत्व में कृषकों को उनके पसीने की पूरी कीमत और वाजिब अधिकार बिना किसी विलंब के मिल रहा है। इस योजना के माध्यम से प्राप्त वित्तीय सहायता ने हमें भविष्य की फसलों के लिए मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त बना दिया है ह्ण उन्होंने कहा कि जिस तरह से किसान वर्ग की छोटी-बड़ी समस्याओं को समझकर त्वरित समाधान किया जा रहा है, वह वाकई काबिले तारीफ है। इस प्रत्यक्ष लाभ से किसानों के बीच बिचौलियों का डर खत्म हुआ है और कृषक वर्ग को संबल मिला है। नेमीचंद जी ने इस पारदर्शी व्यवस्था व कल्याणकारी सोच के लिए प्रदेश सरकार का साधुवाद किया।

पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में उल्लासपूर्वक मनाई गई पुलिस होली

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेक्टर-06 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में गुरुवार को पुलिस होली का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर संभाग कमिश्नर, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की गरिमामयी उपस्थिति में जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल देखने को मिला और पुलिस परिवार ने मिलकर होली के रंगों का आनंद लिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल के बीच आपसी समन्वय, सकारात्मक कार्य वातावरण और टीम भावना को मजबूत करना रहा, जिससे पुलिस कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग की भावना विकसित हो सके। दुर्ग पुलिस ने इस अवसर पर आम नागरिकों से अपील की है कि होली पर्व को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाएं तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

छत्तीसगढ़ में पहली बार गंगरेल बांध पर महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जिले में पर्यटन गतिविधियों को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की पहल पर जिला पर्यटन समिति धमतरी द्वारा गंगरेल बांध में पहली बार गंगरेल नौकायन उत्सव के अंतर्गत महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। यह रोमांचक नौका दौड़ प्रतियोगिता 11 मार्च 2026, बुधवार को दोपहर 3 बजे से गंगरेल बांध, धमतरी में आयोजित होगी।

इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में जल पर्यटन को बढ़ावा देना, स्थानीय युवाओं को साहसिक खेलों के प्रति प्रेरित करना तथा गंगरेल क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। इस आयोजन से न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, बल्कि पर्यटकों के लिए भी यह एक आकर्षक आयोजन साबित होगा। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के लिए पंजीयन अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक टीम के लिए 500 रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है। टीम पंजीयन की अंतिम तिथि 9 मार्च 2026, सोमवार शाम 5 बजे तक तय की गई है। इच्छुक टीमें दफकोड के माध्यम से भी पंजीयन करा सकती हैं।

प्रतियोगिता में विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। नाव दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 1 लाख रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान के लिए 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त नाव सजावट और पारंपरिक वेशभूषा के लिए भी 11-11 हजार रुपये के विशेष पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं, जिससे प्रतियोगिता में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार सभी प्रतिभागियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है तथा प्रत्येक प्रतिभागी के पास वैध पहचान पत्र होना अनिवार्य रहेगा। प्रत्येक टीम में 2 सदस्य होंगे तथा आवश्यकतानुसार एक अतिरिक्त (रिजर्व) खिलाड़ी रखने की अनुमति होगी। सभी प्रतिभागियों के लिए समान वेशभूषा अथवा लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया गया है। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में केवल आयोजक द्वारा स्वीकृत पारंपरिक नावों को ही भाग लेने की अनुमति दी जाएगी तथा इंजन या मोटर चालित नावों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। दौड़ की दूरी पूर्व निर्धारित रहेगी और जो नाव सबसे पहले फिनिश लाइन पार करेगी, उसे विजेता घोषित किया जाएगा।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं। मौके पर बचाव दल, सुरक्षा नाव, लाइफ जैकेट, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था तथा एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी। खराब मौसम की स्थिति में प्रतियोगिता को आवश्यकतानुसार स्थगित भी किया जा सकता है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि ह्यगंगरेल बांध प्राकृतिक सौंदर्य और जल संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र है। इस प्रकार के आयोजन से जिले में पर्यटन गतिविधियों को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय युवाओं को साहसिक खेलों में भागीदारी का अवसर मिलेगा। भविष्य में भी जिले के पर्यटन स्थलों पर इस प्रकार के नवाचारपूर्ण आयोजन किए जाएंगे ह्ण प्रतियोगिता से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी 07722-232337 एवं 98266-39989 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक टीमों से इस आयोजन में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।